नई दिल्ली ■ सोमवार 27 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 29 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 समुद्र की गहराइयों में भारत की ... | 07 केकेआर और एलएसजी के बीच मैच में रहाणे और पंत की कप्तानी... | छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद करना... 08

जनगणना 2027 में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत अहम है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वर्तमान में जारी जनगणना केवल सरकार का काम नहीं है बल्कि यह सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा इसमें सभी की भागीदारी अहम है। मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि जनगणना के दौरान लोगों द्वारा दी गई सभी जानकारी सुरक्षित और गोपनीय रहेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में भाग लेने और जनगणना 2027 को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''साथियो, देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है। आपकी भागीदारी बहुत जरूरी है। आपकी दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है, यह गोपनीय रखी जाती है, डिजिटल सुरक्षा के साथ इसे सुरक्षित किया जाता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जनगणना देश में जारी एक अत्यंत अहम अभियान है और प्रत्येक भारतीय को इसके बारे में जागरूक होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना का यह अभियान दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है।। उन्होंने कहा, ''जनगणना 2027 को डिजिटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रही है।'' मोदी ने कहा कि घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल ऐप है और वे हर किसी से बात करके वहीं पर उसी मोबाइल ऐप में जानकारी दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, ''साथियो, इस बार जनगणना में आपकी भागीदारी भी आसान बनाई गई है, आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने पर आपको एक विशेष आईडी मिलती है और ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। उन्होंने कहा, ''बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं।'' मोदी ने कहा कि इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती, समय भी बचता है और प्रक्रिया आसान हो जाती है।

भारत ने पवन ऊर्जा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावाट से अधिक हो गई है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने यह भी कहा कि देश को बिजली की बचत करनी चाहिए और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''भारत ने हाल में पवन ऊर्जा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। पिछले एक साल में ही करीब छह गीगावाट नयी क्षमता जुड़ी है।'' भारत के विकास के लिए सौर और पवन ऊर्जा को आवश्यक बताते हुए मोदी ने कहा, ''यह सिर्फ पर्यावरण का सवाल नहीं है; यह हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का सवाल है और इसमें हम सभी की भूमिका है।'' केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 22 अप्रैल को कहा कि भारत ने पवन ऊर्जा क्षमता संवर्धन में अपना अब तक का सबसे अच्छा वर्ष दर्ज किया है, जिसमें 2025-26 के दौरान ऐतिहासिक 6.1 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है। भारत वर्तमान में पवन ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है, जिसकी स्थापित क्षमता 56.1 गीगावाट से अधिक है और अतिरिक्त 28 गीगावाट परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इस क्षेत्र की अपार अप्रयुक्त क्षमता पर जोर देते हुए जोशी ने बताया कि 150 मीटर हब की ऊंचाई पर भारत की पवन ऊर्जा क्षमता लगभग 1,164 गीगावाट होने का अनुमान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर प्रयासों से देश 2030 तक 100 गीगावाट और 2036 तक 156 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता हासिल कर लेगा, जिससे 2070 तक 'नेट-जीरो' लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। 'नेट जीरो' उत्सर्जन का मतलब है कि कोई देश जितना कार्बन उत्सर्जन करता है, उतना ही कार्बन खत्म करने की व्यवस्था भी करे। नेट जीरो का मतलब यह नहीं है कि कार्बन का उत्सर्जन शून्य हो जाएगा। जोशी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पवन ऊर्जा भारत की ऊर्जा प्रणाली को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान चली गोली

ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित, आरोपी ट्यूटर व कंप्यूटर प्रोग्रामर निकला

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास 'व्हाइट हाउस' संवाददाताओं के रात्रिभोज के दौरान गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार कैलिफोर्निया निवासी व्यक्ति एक बेहद शिक्षित ट्यूटर और शौकिया वीडियो गेम डेवलपर है। कैलिफोर्निया के टॉरेंस निवासी 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन की मई 2025 की एक प्रोफाइल फोटो कथित हमलावर की उस तस्वीर से मेल खाती दिखाई देती है जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार रात उसे हिरासत में लिए जाते समय साझा किया था। 'लिंक्डइन' पर पोस्ट की गई इस तस्वीर में एलन कंप्यूटर साइंस में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, डोमिंगेज हिल्स से मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बाद एक टोपी और गाउन में नजर आ रहा है। एलन ने 2017 में पासाडेना स्थित कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया था।

देशवासी लें मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का संकल्पः डोनाल्ड ट्रंप

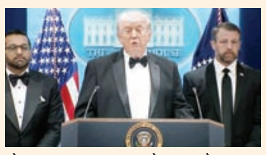

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी गणतंत्र पर हमला नया नहीं है। इससे पहले भी राष्ट्र को लहूलुहान किया गया है। उन्होंने देशवासियों से आपसी मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का आह्वान भी किया । वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर हुई गोलीबारी में पूरी तरह सुरक्षित ट्रंप ने इस घटना पर चिंता जताते हुए संघीय एजेंट्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की तारीफ की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना करीब 30 मिनट बाद व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वार्षिक डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। इस दौरान कई तरह के हथियारों से लैस एक व्यक्ति सुरक्षा घेरे की तरफ बढ़ा। एजेंट्स और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों ने संदिग्ध को आगे बढ़ने से रोका और उसे हिरासत में ले लिया गया। संदिग्ध ने एक एजेंट को बहुत करीब से गोली मारी। बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने से अधिकारी बच गया।

इस्लामाबाद से रवाना हुए अराघची, ट्रंप के दूत नहीं पहुंचे पाकिस्तान; वार्ता विफल

कोलकाता। ईरान के शीर्ष राजनयिक के पाकिस्तान से प्रस्थान करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों के इस्लामाबाद नहीं पहुंचने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम वार्ता के प्रयास विफल हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि अब गेंद ईरान के पाले में है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, यदि वे बात करना चाहते हैं, तो उन्हें बस कॉल करने की जरूरत है!!! ये वार्ता इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक वार्ता के बाद होने वाली थीं, जिसमें अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और ईरान का नेतृत्व संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालीबाफ कर रहे थे। हांलांकि ईरानी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेनाओं ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी शुरू कर दी है, ऐसे में अमेरिका पर कैसे विश्वास किया जा सकता है।

पंजाब सरकार ने सुरक्षा वापस ली

अब हरभजन सिंह भज्जी के साथ रहेंगे CRPF के जवान

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों के विरुद्ध शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। रविवार को पंजाब सरकार ने क्रिकेटर एवं राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी को दी गई पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस ले ली। इसके कुछ समय बाद ही उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से सीआरपीएफ की सुरक्षा प्रदान कर दी गई। भज्जी से पहले पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा भी वापस ली थी। हरभजन सिंह को पंजाब सरकार की तरफ से बतौर राज्य सभा सांसद वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस होने के कुछ समय बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी। उनके घर के बाहर ये जवान तैनात कर दिए गए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने गत दिवस हरभजन सिंह के भी आम छोडने का दावा किया था।

ज्यूरिख जा रहे स्विस एयरलाइन के विमान के इंजन में आई खराबी, उड़ान भरने से रोका गया

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे से ज्यूरिख जाने के लिए निर्धारित 'स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन' के एक विमान को उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण रोक दिया गया, जिसके बाद पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर रनवे पर ही यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा। घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि विमानन कंपनी का कहना है कि छह यात्रियों को चिकित्सीय सहायता दी जा रही है। पंजीकरण संख्या एचबी-जेएचके वाले ए330-300 विमान में संचालित एलएक्स147 उड़ान को रात करीब एक बजे रवाना होना था, जिसमें चार शिशु समेत 232 यात्री सवार थे।

प्रख्यात छायाकार रघु राय का लंबी बीमारी के बाद निधन

नई दिल्ली। भारत के विविध रूपों को अपने कैमरे में कैद करने वाले देश के प्रख्यात छायाकारों में से एक रघु राय का रविवार तड़के यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। रघु राय के बेटे एवं छायाकार नितिन राय ने बताया''पिताजी को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था। रघु राय के परिवार में उनकी पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और तीन बेटियां–लगन, अवनि और पूर्वाई हैं। पंजाब प्रांत के झांग शहर में (अब पाकिस्तान में) 18 दिसंबर 1942 को जन्मे राय ने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी, लेकिन 23 साल की उम्र में उन्होंने कैमरा थाम लिया और 1966 में 'द स्टेट्समैन' अखबार के मुख्य छायाकार बन गए।

भाजपा महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

बनगांव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पर ''महिलाओं को प्रताड़ित करने वाले गुंडों को पनाह देने'' का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा द्वारा संदेशखलि की रेखा पात्रा और आर जी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को चुनाव टिकट देना महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में ठाकुरनगर स्थित मतुआ समुदाय के गढ़ में एक चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश में धार्मिक उत्पीड़न के बाद भारत में शरण लेने वाले सभी शरणार्थियों को संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से नागरिकता प्रदान की जाएगी।

पहले चरण के चुनावों में 93 प्रतिशत से अधिक रिकॉर्ड मतदान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''पहले चरण में तृणमूल कांग्रेस का अहंकार चकनाचूर हो गया, दूसरा चरण राज्य में भाजपा की जीत को पुख्ता करेगा।'' प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता-पूर्व दिये गए नारे 'तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का जिक्र करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा, ''और मैं आपको तृणमूल के 'महा जंगलराज' से आजादी दूंगा''।

पश्चिम बंगाल में है तृणमूल के आतंक का राजः राहुल गांधी

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा पार्टी कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या कर दिये जाने की रविवार को कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस राजनीति के आगे नहीं झुकेगी, जो भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करती है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान आसनसोल में चटर्जी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पार्टी का दावा है कि चटर्जी आसनसोल उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी प्रसेनजीत पुइतांडी के घनिष्ठ सहयोगी थे। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने चटर्जी की जमकर पिटाई की, जिसके कुछ ही समय बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

566 रिक्रूट आरक्षियों की भव्य पासिंग आउट परेड, सीपी ने दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

नोएडा। रिजर्व पुलिस लाइन्स, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 566 रिक्रूट आरक्षियों की पासिंग आउट परेड का भव्य आयोजन पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउंड पर रविवार को संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने परेड की सलामी ग्रहण की और नवप्रशिक्षित आरक्षियों को संबोधित किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने आरक्षियों से अपेक्षा जताई कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना को मजबूत करें तथा संवेदनशीलता, निष्पक्षता और तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक आधारित, पारदर्शी और उत्तरदायी व्यवस्था आवश्यक है और नवप्रशिक्षित आरक्षी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों, प्रशिक्षकों और स्टाफ को स्मृति चिन्ह एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सर्वांग सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए रिक्रूट आरक्षी आकाश को सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार, इन आरक्षियों ने 21 जुलाई 2025 से आरटीसी, गौतमबुद्धनगर में नौ माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, मानवाधिकार, सामुदायिक पुलिसिंग, शारीरिक दक्षता और व्यवहारिक कौशल से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के उद्बोधन का वर्चुअल प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित पुलिसकर्मियों और दर्शकों ने सुना। लगभग 1500 पुलिस परिवारजन और अन्य दर्शक समारोह में मौजूद रहे। समारोह के अंत में पुलिस उपायुक्त लाइन/आरटीसी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंटकर उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। दीक्षांत परेड के उपरांत प्रशिक्षित आरक्षियों ने राष्ट्र सेवा की शपथ लेकर अपने-अपने नियुक्ति स्थलों के लिए प्रस्थान किया।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा जोन डॉ. प्रवीन रंजन सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा मनीषा सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा आरके गौतम, सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय कल्पना गुप्ता, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन राकेश प्रताप सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर पवन कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रक से 35 लाख की अवैध शराब बरामद, हरियाणा से मणिपुर सप्लाई की थी साजिश

नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थाना नॉलेज पार्क पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने आज कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 237 पेटी हरियाणा मार्का अवैध शराब बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है। यह शातिर तस्कर हरियाणा से सस्ते दामों पर शराब ले जाकर मणिपुर मे ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में था। पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा प्रवीन रंजन सिंह के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध ट्रक को घेराबंदी कर रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक में स्पेयर पार्ट्स के पीछे छिपाकर रखी गई अवैध शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के बाड़मेर निवासी लाखाराम पुत्र जोधाराम के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी हरियाणा से सस्ती शराब लाकर मणिपुर में ऊंचे दामों पर बेचने की योजना बना रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए फर्जी बिल्टी और स्पेयर पार्ट्स के बिल तैयार किए थे, ताकि शराब की तस्करी को छिपाया जा सके।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम और बीएनएस की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और तस्करी के व्यापक कनेक्शन की जांच जारी है।

लाखों के गहने चोरी कर घरेलू सहायिका फरार

नोएडा। सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सेक्टर-107 स्थित सोसाइटी में एक फ्लैट से गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। फ्लैट मालिक ने घरेलू सहायिका पर चोरी का शक जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोसाइटी में रहने वाले अंकुश ओबेरॉय अपने परिवार के साथ फ्लैट में रहते हैं। उनके यहां पहले शिल्पी नाम की महिला घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। करीब एक साल पहले शिल्पी ने ही सलोनी को काम पर रखवाया था। शनिवार को अंकुश ने जब अपने घर की सेफ खोली तो उसमें रखा गहनों का बैग गायब मिला। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने और उनकी पत्नी ने गहनों को देखा था। गहने नहीं मिलने पर परिवार ने घर में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शक के आधार पर जब सलोनी से पूछताछ की गई तो उसने चोरी से इनकार कर दिया। इसके बाद अंकुश की पत्नी ने सलोनी के घर जाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वहां से तनिष्क का एक बैग बरामद हुआ, जिसमें गहनों के अलावा एक घड़ी, करीब नौ हजार रुपये नकद और एक पुराना आधार कार्ड मिला। अब घरेलू सहायिका फोन भी नहीं उठा रही है।

सेक्टर 113 थाना प्रभारी लाइन हाजिर

नोएडा। काम में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने सेक्टर-113 थाना प्रभारी विपिन कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और कार्यों के निष्पादन में लगातार लापरवाही की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर ने यह कार्रवाई की। विभागीय समीक्षा के दौरान भी कई मामलों में अपेक्षित कार्रवाई न होने की बात सामने आई थी। फिलहाल सेक्टर-113 थाने पर नए थाना प्रभारी की नियुक्ति नहीं की गई है। उच्च अधिकारियों द्वारा स्थिति की निगरानी की जा रही है। जल्द ही नए प्रभारी की तैनाती किए जाने की संभावना है।

115 एनजीओ के साझा मंच 'जुनून' में समाज सेवा के उत्सव का भव्य आयोजन

नोएडा। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संगठनों के साझा मंच ऐक्टिव एनजीओ समूह द्वारा वार्षिक कार्यक्रम "जुनून" का भव्य आयोजन किया गया। नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में 115 से अधिक गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी रही, जिसने इसे एक सशक्त सामाजिक मंच का रूप दे दिया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संगठनों ने अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों को साझा किया। कोरोना काल के दौरान कुछ संगठनों की पहल से शुरू हुआ यह समूह आज शहर का एक प्रभावशाली और विविधतापूर्ण नेटवर्क बन चुका है, जो सहयोग और समन्वय की मिसाल पेश करता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोएडा के विधायक पंकज सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में समूह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

ऐक्टिव एनजीओ समूह ने समय के साथ एक सेतु के रूप में कार्य करते हुए अपने सदस्य संगठनों को प्रशासनिक संस्थानों से जोड़ा है, जिससे जनहित के कार्यों को गति मिली है। कार्यक्रम में यह भी उल्लेख किया गया कि समूह की कोई औपचारिक पद संरचना नहीं है, बल्कि सभी सदस्य समान भागीदारी और सहयोग की भावना से कार्य करते हैं, जो इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

समारोह के समापन पर समूह के एडमिन अशोक श्रीवास्तव के योगदान को विशेष रूप से सराहा गया, जिन्होंने इस नेटवर्क को संगठित और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, दूसरे एडमिन रंजन तोमर ने पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गीत, नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ और सम्मान समारोह आयोजित किए गए, जिसने आयोजन को जीवंत और प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) योगेंद्र नारायण, नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना, समाजसेवी शालिनी सिंह, पूर्व मंत्री अनिल सिंह और एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रेनो में चार सेक्टरों के पार्क दूधिया रोशनी से जगमग

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-36, 37, स्वर्णनगरी और पाई-वन के पार्क एलईडी हाईमास्ट लाइट की दूधिया रोशनी से जगमग हो गए। सार्वजनिक स्थानों पर भी हाईमास्ट लाइट लगाई गई हैं।

रविवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्राधिकरण के अधिकारियों और सेक्टर के लोगों की मौजूदगी में उद्घाटन किया। विधायक ने सभी समस्याओं का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है। चार सेक्टरों के 22 पार्कों में एलईडी हाईमास्ट लाइट लगाने का काम किया गया है। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-36 और 37 के 6-6 पार्कों, सेक्टर पाई-1 के 2 और स्वर्णनगरी के 8 पार्कों में एलईडी हाईमास्ट लाइटें लगाई गई हैं। इसके अलावा सेक्टर पी-3, बिल्डर्स एरिया, ओमिक्रॉन-1 पार्क 130 मीटर चौड़ी सड़क, एलजी सोसाइटी के पास, होंडा सीएल कंपनी के गेट और सेक्टर पी-3 मंदिर के पास भी हाईमास्ट लाइट लगाने का कार्य किया गया है।

इस पर प्राधिकरण द्वारा 1.90 करोड़ रुपये खर्च किए गए। पूर्व में अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और जीटा और डेल्टा आदि सेक्टरों में स्थित पार्क एलईडी हाईमास्ट की रोशनी से जगमग किए जा चुके हैं।

चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवर उड़ाए

ग्रेटर नोएडा। तिलपता गांव के पास स्थित गोविंद एंक्लेव में चोरों ने एक बंद मकान से लाखों रुपये के जेवरात चुरा लिए। पीड़ित की तहरीर पर सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। पुनित कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 10 अप्रैल की शाम घर से ड्यूटी के लिए निकला था। जब अगले दिन सुबह लौटा तो घर का ताला टूटा मिला और अंदर का सामान बिखरा था। चोर घर से दो सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी और एक जोड़ी चांदी की पायल ले गए। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले जांच की जा रही है।

कांग्रेस की बैठक में संगठन मजबूत करने पर जोर

दादरी। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर के अंतर्गत दादरी नगर कांग्रेस की विशेष बैठक रेलवे रोड स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नगर स्तर पर संगठन को अधिक सशक्त, सक्रिय और जनसमस्याओं से जुड़ा बनाना रहा। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखने और समर्पण की भावना को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद बैठक में शामिल हुए, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा।

दीपक भाटी चोटीवाला ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस का इतिहास संघर्ष, त्याग और जनसेवा का रहा है और पार्टी उसी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद जब बात जनता के अधिकारों की होती है, तो कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे नहीं हटता। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए महंगाई, बेरोजगारी और आम आदमी की समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बताया। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटका रही है, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ता सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दादरी नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मवीर प्रधान ने कहा कि संगठन को नई ऊर्जा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर बिजली, पानी, सड़क, सफाई और रोजगार जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएं और उनके समाधान के लिए संघर्ष करें। पूर्व नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी अशोक पंडित ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा देश को एकजुट रखने और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में मुकेश शर्मा, महाराज सिंह नागर, सुरेंद्र प्रताप सिंह, भगवती शर्मा, नीरज लोहिया, धर्म सिंह, निशा शर्मा, किशन शर्मा, डॉ. महेंद्र सिंह, योगेश शर्मा, सत्यप्रकाश, सुबोध छाबड़ी, जयकरन, शैलेंद्र यादव, निजामुद्दीन, सोमदत्त और प्रेमदत्त शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली सरकार ने हीट वेव एक्शन प्लान को और प्रभावी किया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की विस्तृत समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने अपनी रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है, साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के 'थर्मल हॉटस्पॉट' और 'हीट आइलैंड' क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। इस बार सरकार ने दिल्ली के चप्पे-चप्पे का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है। सैटेलाइट डेटा के आधार पर उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहां तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है। इसमें दक्षिण दिल्ली का आयानगर अत्यंत संवेदनशील है, जहां पूर्व में 45.5 डिग्री तापमान दर्ज किया जा चुका है। इसी तरह पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में 43.7 डिग्री (2025 का उच्चतम) और सफदरजंग में 46.8 डिग्री (2023 का उच्चतम) तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा वजीरपुर, जहांगीरपुरी, ख्याला, शास्त्री पार्क, विश्वास नगर, हरकेश नगर, हरि नगर और दिल्ली गेट जैसे इलाके प्रमुख थर्मल हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं। साथ ही, बाहरी दिल्ली की सीमाओं से सटे और घनी आबादी वाले इलाके जैसे सावदा, मुबारकपुर डबास, भलस्वा, नंद नगरी, गोकुलपुरी, और बक्करवाला में भी 'हीट आइलैंड' का गहरा प्रभाव देखा गया है। इन विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सरकार ने विशेष सुरक्षा चक्र तैयार किया है। इन जगहों के स्वास्थ्य केंद्रों में अधिक ओआरएस पैकेट्स, क्विक रेस्पॉन्स टीमों (क्यूआरटी) की तैनाती, पानी के अधिक टैंकरों की व्यवस्था आदि शामिल है। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सभी विभागों, विशेषकर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), शिक्षा विभाग और दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी पानी और छाया की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी प्रमुख पार्कों, बस डिपो और स्कूल परिसरों में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन और आवारा पशुओं के लिए विशेष जल संरचनाएं बनाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा न रहे। बहुत अधिक हीट वेव की अवस्था में निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के लिए दोपहर 12:00 से 03:00 बजे के बीच बाहरी कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके अलावा कार्यस्थलों पर मजदूरों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि धूप से बचाव के लिए कैप (टोपी) और गमछे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ही प्राथमिक चिकित्सा किट और आइस पैक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली अब 'कूल रूफ पॉलिसी 2026' की ओर बढ़ रही है। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा। इसके अलावा, बस स्टॉप को ठंडा रखने के लिए 'हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम' और कंक्रीट के जंगलों को ठंडा करने के लिए 'एंटी-स्मॉग गन्स' का भी प्रयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने सभी 13 जिलों में 339 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और 30 से अधिक अस्पतालों में विशेष '5-बेड वाले कूल रूम' तैयार किए हैं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक दिल्ली सरकार की 24x7 हेल्पलाइन 1077, 1070 या 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 39 क्विक रेस्पॉन्स टीमें व प्रशिक्षित आशा वर्कर्स को भी एलर्ट मोड में रखा गया है। कई स्थलों पर पीने का ठंडा पानी व ओआरएस घोल की व्यवस्था की जाएगी, विशेषकर व्यस्त बस स्टॉपों व बस टर्मिनल पर पानी की रेहड़ी आदि खड़ी करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राजधानी में इस वर्ष गर्मी के दौरान बिजली की मांग एक नया रिकॉर्ड बना सकती है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। इस भारी मांग को देखते हुए हमने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों, जल उपचार संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) और मोबाइल टावरों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर 24×7 निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्राथमिकता प्रोटोकॉल लागू किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 28 को

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 28 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे पुराने सचिवालय में होगा। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की तरफ से जारी की गई है। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल की स्वीकृति के बाद आठवीं विधानसभा के पांचवें सत्र को बुलाने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। विजेंद्र गुप्ता ने यह भी बताया कि उपराज्यपाल ने आठवीं विधानसभा के चौथे सत्र को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। इस औपचारिक आदेश के साथ लंबे समय से चल रहे सत्रों का आधिकारिक समापन हो गया है, जिससे नए सत्र में सुचारू रूप से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने कार्यवाही के सुचारू और निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हाल ही में मिली बम धमकियों के मद्देनजर सचिवालय ने पूरे परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल को काफी मजबूत कर दिया है। सत्र के दौरान सदस्यों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पुराने सचिवालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और व्यापक सुरक्षा घेरा स्थापित किया गया है।

इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के महिला शौचालय में पुरुष का शव मिला

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय से शनिवार को एक पुरुष का शव मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने बताया कि शाम लगभग 5.33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन कॉल पर सूचना मिली कि मेट्रो स्टेशन के अंदर सुलभ परिसर में स्थित महिलाओं का शौचालय अंदर से बंद है और उससे तेज दुर्गंध आ रही है। उसने बताया कि मेट्रो पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा। अंदर करीब 40 साल के व्यक्ति का शव मिला। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "प्रथमदृष्टया मृतक शौचालय का देखभाल करने वाला प्रतीत होता है। एक चश्मदीद ने बताया कि उसे आखिरी बार लगभग दो दिन पहले देखा गया था।" पुलिस ने बताया कि दिल्ली मेट्रो अधिकारियों और अन्य स्त्रोतों की मदद से मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

संजय जमुआर बने दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड के पहले सीईओ

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक अहम कदम उठाते हुए दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड (डीएमआईएल) के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में संजय जमुआर की नियुक्ति की है। डीएमआईएल को सरकार के सहयोग से इस उद्देश्य के लिए स्थापित किया गया है कि वह दिल्ली के बाहर भारत के अन्य शहरों और विदेशों में मेट्रो परियोजनाओं तथा संचालन एवं रखरखाव (ओ एंड एम) के कार्यों को संभाल सके। डीएमआईएल का मुख्य काम मेट्रो और ट्रांजिट सिस्टम से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सलाहकार सेवाएं देना होगा। यह संस्था विभिन्न एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों को लंबे समय की योजनाएं तैयार करने, सुधार करने और नई परियोजनाओं को विकसित करने में मदद करेगी। इसके लिए डीएमआईएल, डीएमआरसी के वर्षों के अनुभव और विशेषज्ञता का पूरा लाभ उठाएगी। डीएमआरसी पहले ही देश के कई शहरों में मेट्रो सिस्टम के विकास में अहम भूमिका निभा चुका है।

नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 7वीं इंद्रप्रस्थ चिकित्सा सेवा यात्रा का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। समाज के वंचित, जरूरतमंद एवं झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के संकल्प के साथ नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन (NMO) एवं सेवा विभाग द्वारा 7वीं इंद्रप्रस्थ चिकित्सा सेवा यात्रा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।संगठन द्वारा राजधानी दिल्ली के विभिन्न सेवा बस्तियों एवं वंचित क्षेत्रों में कुल 305 निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।इस वर्ष की यात्रा की विशेष थीम "नशा मुक्ति" रही। शिविरों में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता संवाद भी आयोजित किया गया, जिनमें नशे के दुष्प्रभाव, उससे होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों के बारे में विस्तार से बताया गया।इस वर्ष की यात्रा के सफल समन्वय में प्रमुख भूमिका निभाने वाले संयोजकों में डॉ. प्रवेश (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ. देव (मनोचिकित्सक), नितेश (MBBS विद्यार्थी, BSA Hospital) एवं मुस्कान जी (LHMC) शामिल रहे।

लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा परिवार एवं समाज को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया।इन शिविरों में हजारों लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, आवश्यक दवाइयाँ एवं प्राथमिक जांच सुविधाएँ प्रदान की गईं। शिविरों में विशेष रूप से ब्लड प्रेशर (BP) एवं ब्लड शुगर की स्क्रीनिंग की गई, ताकि लोगों में उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान हो सके। कई स्थानों पर नेत्र परीक्षण (Eye Check-up) की व्यवस्था भी की गई, जिससे आमजन को नेत्र संबंधी समस्याओं के समाधान का लाभ मिला।इस विशाल सेवा अभियान में कुल 450+ डॉक्टर, 650+ मेडिकल विद्यार्थी, एवं 400+ नर्सिंग एवं सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय रूप से जुड़े। सभी के सामूहिक प्रयास से लगभग 23,500+ मरीजों का उपचार एवं परामर्श किया गया। अनेक मरीजों को आगे के इलाज हेतु निकटवर्ती सरकारी अस्पतालों में रेफर भी किया गया।इंद्रप्रस्थ चिकित्सा सेवा यात्रा केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है।

ऐसे आयोजनों से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े युवाओं एवं डॉक्टरों में समाज के प्रति अपने दायित्व का बोध होता है और सेवा संस्कार मजबूत होते हैं।नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन (NMO) डॉक्टरों एवं मेडिकल विद्यार्थियों का ऐसा संगठन है, जो चिकित्सा सेवा को केवल पेशा नहीं बल्कि समाजसेवा का माध्यम मानता है। संगठन निरंतर सेवा, जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी राष्ट्रों की शक्तिः जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत न केवल विकसित राष्ट्र बनेगा बल्कि वैश्विक प्रगति को भी नई दिशा देगा। आने वाले दशकों में किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी। डॉ. सिंह ने यह बात लॉस एंजिल्स में वर्चुअल माध्यम से आयोजित 'अखिल-आईआईटी पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के प्रौद्योगिकी नेता, उद्यमी, निवेशक और शोधकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, ₹भारत को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रगति को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करना होगा।₹ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि एक वैश्विक नवप्रवर्तक के रूप में उभर रहा है। साल 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी नींव हैं। अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार, जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और डीप-टेक स्टार्टअप्स का उदय भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं। भारतीय प्रवासियों, विशेष रूप से आईआईटी के पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री ने उन्हें भारत और वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि निवेश, मार्गदर्शन और नीतिगत भागीदारी के माध्यम से प्रवासी भारतीय देश के विकास पथ को निरंतर मजबूत कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने उभरते हुए क्षेत्रों जैसे सेमी कंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और क्वांटम प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए अनिवार्य बताया।

दिल्ली पुलिस ने कपिल सांगवान गिरोह से जुड़े हथियार सप्लायर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) ने कुख्यात गैंग से जुड़े एक हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान 24 वर्षीय आदित्य मिश्रा के रूप में हुई है, जो कुख्यात कपिल सांगवान नंदू गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है।

यह कार्रवाई द्वारका के पोचनपुर गांव के पास यूईआर-II रोड पर की गई। क्राइम ब्रांच की ओर से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, आरोपी को खुफिया सूचना के आधार पर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद उसके खिलाफ दिल्ली क्राइम ब्रांच थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 75/26 दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, कपिल सांगवान उर्फ नंदू दिल्ली के द्वारका-नजफगढ़ इलाके का कुख्यात गैंगस्टर है, जो फिलहाल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क को संचालित कर रहा है। उसका गैंग एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स के जरिए आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता है और उस पर जबरन वसूली, अवैध हथियार सप्लाई समेत कई गंभीर आरोप हैं। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने तुरंत उसे काबू कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी के बताने पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई में एक और सिंगल शॉट पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और एक ब्लैंक गन भी बरामद की। पूछताछ में आदित्य मिश्रा ने गैंग से जुड़े जबरन वसूली के मामलों में अपनी भूमिका भी कबूल की है। बताया गया है कि वह गैंग के कहने पर पीड़ितों से सीधे संपर्क करता था और उन पर पैसे देने के लिए दबाव बनाता था। कई मामलों में उसने बड़ी रकम इकट्ठा करने में भी मदद की। क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की गई और दिल्ली में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। पुलिस लगातार ऐसे गैंग से जुड़े लोगों पर नजर रख रही है, जो दिल्ली और आसपास के राज्यों में सक्रिय हैं फिलहाल मामले की जांच जारी है, और पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर पूरे गिरोह की कमर तोड़ने की कोशिश कर रही है।

चोरी के सिलेंडर और मोबाइल के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के पालम गांव पुलिस स्टेशन के स्टाफ़ ने सफलतापूर्वक एक चोर को गिरफ्तार किया है, जिसका नाम सुशील कुमार उर्फ साजन है। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही चोरी का एक गैस सिलेंडर और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। 22 अप्रैल को पालम गांव पुलिस स्टेशन में सेंधमारी के आरोप में ई-एफआईआर के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। इस मामले को सुलझाने के लिए पालम गांव पुलिस स्टेशन की एक टीम बनाई गई, जिसमें एएसआई संजीव कुमार, एएसआई वीरेंद्र सिंह, एचसी हरेंद्र, एचसी संदीप और एचसी कृष्ण शामिल थे। यह टीम इंस्पेक्टर सुधीर कुमार गुलिया (एसएचओ/पालम गांव थाना) के नेतृत्व में और अनिल कुमार (एसीपी/सब-डिवीजन दिल्ली कैंट) की कड़ी निगरानी में काम कर रही थी, जिसका उद्देश्य अपराधियों को पकड़ना था। टीम ने अपने गुप्त मुखबिरों को सक्रिय किया, तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल किया और विभिन्न जगहों से मिले सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। सक्रिय अपराधियों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए इलाके में स्टाफ भी तैनात किया गया था। जांच के दौरान, रास्ते भर के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया, जिससे आरोपी की पहचान हो सकी। अधिकारियों ने बताया कि पालम गांव इलाके में आरोपी की मौजूदगी के बारे में एक विशेष गुप्त सूचना मिली थी। तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने एक सुनियोजित जाल बिछाया और आरोपी सुशील कुमार उर्फ साजन (निवासी महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली, उम्र 33 वर्ष) को धर दबोचा। उसके कब्जे से चोरी का एक गैस सिलेंडर बरामद किया गया।

एक प्लॉट, एक गेट में बने मकानों को मिले अलग-अलग पानी के कनेक्शन : थान सिंह यादव

गांवों को इन्फ्रा स्कीम से बाहर करे सरकारः दिल्ली पंचायत संघ

दिल्ली पंचायत संघ की प्रमुख मांगें:

- दिल्ली देहात और गांवों में अलग-अलग बिजली व पानी कनेक्शन देने की स्पष्ट, सरल और पारदर्शी नीति बनाई जाए।
- एक प्लॉट और एक गेट के भीतर रहने वाले अलग-अलग परिवारों को स्वतंत्र पानी कनेक्शन देने के निर्देश जारी किए जाएं।
- गांवों को इन्फ्रा स्कीम से तुरंत बाहर किया जाए।
- 200 वर्गमीटर से बड़े प्लॉटों पर इन्फ्रा स्कीम के तहत ली जा रही भारी फीस को समाप्त किया जाए।
- गांवों में सुविधाओं के नाम पर किसी भी प्रकार की अतिरिक्त टैक्स वसूली बंद की जाए और उन्हें टैक्स कैटेगरी से बाहर रखा जाए।

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने मुख्यमंत्री दिल्ली रेखा गुप्ता एवं संबंधित मंत्री से मांग की है कि दिल्ली देहात और गांवों में पानी के कनेक्शन से जुड़ी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। संघ ने आरोप लगाया कि एक ही प्लॉट में बने अलग-अलग मकानों को स्वतंत्र पानी कनेक्शन देने में विभागों की अनदेखी और अनावश्यक बाधाओं के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।संघ ने 200 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले प्लॉटों पर इन्फ्रा स्कीम के तहत लगी भारी फीस पर भी आपत्ति जताई और इसे ग्रामीणों व गरीब परिवारों के साथ अन्याय बताया है। इस संबंध में दिल्ली सरकार को ज्ञापन भेजकर मांग की गई है कि गांवों को इन्फ्रा स्कीम से बाहर किया जाए तथा एक ही प्लॉट और एक गेट के भीतर बने अलग-अलग मकानों एवं परिवारों को स्वतंत्र पानी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए।दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि गांवों की पारंपरिक संरचना में एक ही प्लॉट में संयुक्त परिवारों के अलग-अलग मकान बने होते हैं, जिनका प्रवेश मार्ग एक ही होता है। ऐसे में केवल "एक गेट" के आधार पर अलग-अलग पानी कनेक्शन से इनकार करना पूरी तरह अनुचित है।उन्होंने यह भी कहा कि जब ऐसे मकानों में अलग-अलग बिजली कनेक्शन और हाउस टैक्स लागू है, तो पानी के अलग कनेक्शन देने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। कई मामलों में एक ही संपत्ति के अलग-अलग हिस्सों में परिवारों का बंटवारा होने के बावजूद लोगों को कनेक्शन के लिए विभागों के चक्कर काटने पड़ते हैं, जो व्यवस्था की खामी को दर्शाता है।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति को समझते हुए संयुक्त प्लॉटों में रहने वाले सभी परिवारों को अलग-अलग पानी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही, इन्फ्रा स्कीम के नाम पर ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से परेशान करने पर रोक लगाने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

दिल्लीः इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 5 करोड़ की कोकीन 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटरस्टेट सेल (आईएससी) ने नशे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस 2 आरोपियों के साथ करीब 500 ग्राम हाई-क्वालिटी कोकीन (क्रैंक) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह नशीला पदार्थ दिल्ली और एनसीआर इलाके में सप्लाई किया जा रहा था। यह पूरी कार्रवाई इंस्पेक्टर सतेंद्र खारी के नेतृत्व में की गई, जिसमें एसआई संदीप, विनीत, अमित, अर्जुन, एएसआई रंधीर, हेड कांस्टेबल सनोज और कांस्टेबल विकास की टीम शामिल थी। पूरे ऑपरेशन की निगरानी एसीपी आर.एस. लांबा कर रहे थे। 10 अप्रैल 2026 को पुलिस को एक पुख्ता सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गाजियाबाद राउंडअबाउट, दिल्ली के पास ड्रग्स की सप्लाई करने आने वाला है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और जावेद हुसैन (29 वर्ष) निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश को मौके से पकड़ लिया। उसके पास से 456 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद हुई। इस मामले में थाना क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत एफआईआर दर्ज की गई और आगे की जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी जावेद ने खुलासा किया कि यह नशा उसे बरेली के ही रहने वाले सोइब खान (25 वर्ष) से मिला था। इसके बाद पुलिस ने जावेद को रिमांड पर लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की और 22 अप्रैल को स्थानीय पुलिस की मदद से बरेली में छापेमारी की। इस दौरान सप्लायर सोइब खान को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में पुलिस को कई अहम सुराग भी मिले हैं। जावेद हुसैन दिल्ली की एक जींस फैक्ट्री में काम करता था, हालांकि दोनों ही आरोपियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। दोनों ही कम पढ़े-लिखे हैं और पहली बार इस तरह के गंभीर मामले में पकड़े गए हैं। फिलहाल सोइब खान पुलिस रिमांड पर है और उससे लगातार पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली के पार्कों में कार्यक्रमों के आयोजन की अवधि एक माह में 10 दिन से अधिक न हो : एनजीटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में, निर्धारित पार्कों का उपयोग महीने में 10 दिनों से अधिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए न किया जाए। एनजीटी एक मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें रोहिणी स्थित एक जिला पार्क में कथित तौर पर झूले लगाने और व्यावसायिक कुप्रबंधन के आरोप लगाए गए थे। अधिकरण ने इससे पहले दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। हालिया आदेश में एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि डीपीसीसी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसके अनुसार पार्क खाली पाया गया और वहां किसी प्रकार की गतिविधि नहीं देखी गई। एनजीटी की पीठ ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, "मैदान के एक हिस्से में ठोस कचरे का ढेर पड़ा था। साथ ही स्थानीय स्तर पर पूछताछ में पता चला कि यह जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की है और समय-समय पर इसे मेले और त्योहारों के लिए दिया जाता है।" एनजीटी ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को ठोस कचरा हटाने के लिए उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एनजीटी ने कहा, " उच्चतम न्यायालय ने एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य (2009) मामले में स्पष्ट किया है कि किसी निर्धारित पार्क को अन्य प्रयोजनों के लिए एक महीने में 10 दिनों से अधिक आवंटित नहीं किया जा सकता। संबंधित प्राधिकरणों को इस आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा।

संपादकीय

ट्रंप के सामने विकल्प की कमी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सामने इस समय ईरान युद्ध को लेकर विकल्हीनता की दशा बनी हुई है। वह इस युद्ध में कोई साफ निर्णय लेते नहीं दिख रहे है। एक समय ईरान को तबाह करने की धमकी दे रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिस तरह दो सप्ताह से जारी युद्धविराम की अवधि खत्म होने के पहले ही उसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया, वह उनके सामने पैदा हुई विकल्पहीनता को ही दर्शाता है। अमेरिका के इस निर्णय से यही स्पष्ट हो रहा है कि वह इस युद्ध से अपनी जान बचाना चाह रहा है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि अमेरिका लगभग एक महीने तक चले युद्ध में न तो ईरान को हरा पाए और न ही उसके जवाबी हमलों से खाड़ी देशों की रक्षा कर पाए। इन घटनाक्रम में सबसे अधिक किरकिरी राष्ट्रपति ट्रंप हुई है। तमाम नाकाबंदी के बावजूद ईरान को होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए बाध्य भी नहीं कर सके। उधर अमेरिका में घरेलू मोर्चे पर भी उनकी चुनौती बढ़ गई है। अमेरिका के ग्रेट होने के नारे वाले समर्थक भी इस युद्ध के खिलाफ दिखाई दे रहे है। दूसरे, उन्हें ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए संसद की अनुमति चाहिए होगी। संसद में युद्ध का समर्थन मिलता नहीं दिख रहा है। विपक्षी डेमोक्रेट संग कई रिपब्लिकन पार्टी के सांसद भी युद्ध के विरोध में हैं। इसके अलावा होर्मुज बाधित होने से विश्व में जो गहन ऊर्जा संकट पैदा हुआ है, उसका असर अमेरिका पर भी पड़ा है। इस युद्धविराम में पाकिस्तान की भी सबसे अधिक किरकिरी दखने को मिली। युद्ध विराम के कई नकारात्मक परिणाम देखने को मिलते। इसे तोड़ना जितना अमेरिका के लिए जोखिम भरा था, उतना ही पाकिस्तान के लिए भी। यदि अमेरिका नए सिरे से ईरान पर हमले करता तो वह जवाबी कार्रवाई के तहत सऊदी अरब समेत खाड़ी के अन्य देशों को निशाना बनाता। पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ हुए समझौता है इसके तहत पाकिस्तान को ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलना पड़ता और यह युद्ध की इस विभीषिका को और बढ़ाता। पाकिस्तान के साथ अमेरिका के अपने स्वार्थ है। इसीलिए ट्रंप ने यह बयान दिया कि वे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और उसके सैन्य प्रमुख के आग्रह पर युद्धविराम को विस्तार दे रहे हैं। यह अजीब नहीं कि अभी तक मनमानी करने वाले ट्रंप पाकिस्तान के प्रस्ताव को इतना महत्व दे रहे हैं। इसमें संदेह है कि अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की जो वार्ता टली, वह आगे चलेगी। इसकी वजह यह है कि ईरान अमेरिकी नाकेबंदी को युद्धविराम का उल्लंघन मानकर अमेरिका से बात करने से मना कर रहा है। अमेरिका और पाकिस्तान के सामने यह समस्या भी है कि वह ईरान में वार्ता के लिए किसे प्रमुख माने।

समुद्र की गहराइयों में भारत की शक्ति

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हिंद महासागर क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ इस आवश्यकता को और स्पष्ट करती हैं। यह क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग भी है। विश्व के अधिकांश तेल परिवहन और व्यापारिक जहाज इसी मार्ग से गुजरते हैं, और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या बाहरी हस्तक्षेप भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। चीन की बढ़ती समुद्री उपस्थिति, बंदरगाहों के विकास की उसकी नीति तथा क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियाँ भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौती प्रस्तुत करती हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं और उसकी नौसैनिक शक्ति में हो रही वृद्धि भी चिंता का विषय है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी समुद्री सुरक्षा को केवल पारंपरिक साधनों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से भी सशक्त बनाए।

आधुनिक युग में युद्ध की प्रकृति ने पारंपरिक सीमाओं को पूरी तरह पार कर लिया है। अब यह केवल टैंकों, विमानों या सैनिकों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि एक बहुआयामी, जटिल और तकनीक-प्रधान प्रक्रिया बन चुका है, जिसमें ड्रोन, साइबर हमले, अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणालियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाइपरसोनिक मिसाइलें एक साथ कार्य करती हैं। इस परिवर्तित परिदृश्य में युद्ध किसी एक भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समुद्र, आकाश, भूमि और साइबर स्पेस के बीच निरंतर समन्वय के रूप में संचालित होता है। ऐसे वातावरण में भारत जैसी उभरती क्षेत्रीय एवं वैश्विक शक्ति के लिए अपनी सुरक्षा रणनीति को पुनर्परिभाषित करना अनिवार्य हो गया है। विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास अब विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है, क्योंकि यह न केवल भारत की रक्षा क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि उसकी वैश्विक सामरिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है।

हिंद महासागर क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ इस आवश्यकता को और स्पष्ट करती हैं। यह क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग भी है। विश्व के अधिकांश तेल परिवहन और व्यापारिक जहाज इसी मार्ग से गुजरते हैं, और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या बाहरी हस्तक्षेप भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। चीन की बढ़ती समुद्री उपस्थिति, बंदरगाहों के विकास की उसकी नीति तथा क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियाँ भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौती प्रस्तुत करती हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं और उसकी नौसैनिक शक्ति में हो रही वृद्धि भी चिंता का विषय है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी समुद्री सुरक्षा को केवल पारंपरिक साधनों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से भी सशक्त बनाए।

समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संभावित विरोधी को यह स्पष्ट संदेश मिले कि यदि वह परमाणु हमला करता है, तो उसे समान या उससे अधिक प्रभावी जवाब का सामना करना पड़ेगा। यही सिद्धांत 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' की अवधारणा को जन्म देता है, जिसके तहत कोई भी देश अपनी सुरक्षा के लिए उतनी ही परमाणु क्षमता विकसित करता है जितनी संभावित खतरे को रोकने के लिए आवश्यक हो। भारत की 'नो फर्स्ट यूज' नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर हमला होता है, तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति की विश्वसनीयता तभी संभव है जब भारत के पास ऐसी क्षमता हो जो प्रथम हमले के बाद भी सुरक्षित रहे और प्रभावी जवाब दे सके। यही वह स्थान है जहाँ समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, विशेष रूप से परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियाँ, अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पनडुब्बियाँ इस संदर्भ में सबसे प्रभावी माध्यम मानी जाती हैं, क्योंकि वे समुद्र की गहराइयों में लंबे समय तक गुप्त रूप से रह सकती हैं और उनका पता लगाना अत्यंत कठिन होता है। यही उनकी 'सेकंड स्ट्राइक क्षमता' को सुदृढ़ बनाता है। अर्थात यदि देश के स्थलीय या हवाई ठिकाने नष्ट भी हो जाएँ, तो समुद्र में मौजूद पनडुब्बियाँ जवाबी हमला करने में सक्षम रहती हैं। यह क्षमता किसी भी विरोधी के लिए एक मजबूत निरोधक तत्व बन जाती है, क्योंकि उसे यह ज्ञात होता है कि वह पूर्णतः सुरक्षित नहीं है। इस प्रकार, समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता केवल युद्ध की स्थिति में ही नहीं, बल्कि शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वदेशी तकनीक पर आधारित परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का विकास इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। इन पनडुब्बियों में लंबी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता होती है, जो उन्हें रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसके साथ ही, आधुनिक तकनीकों जैसे मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) का उपयोग उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है, जिससे एक ही मिसाइल से अनेक लक्ष्यों को साधा जा सकता है। यह क्षमता न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विरोधी के लिए रणनीतिक चुनौती भी प्रस्तुत करती है।

हालाँकि, केवल पनडुब्बियों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा के लिए भी एक सुदृढ़ तंत्र की आवश्यकता होती है। परमाणु पनडुब्बियाँ अत्यंत जटिल तकनीकी प्रणालियों पर आधारित होती हैं और उनका संचालन उच्च स्तर की विशेषज्ञता तथा प्रशिक्षण की माँग करता है। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुकी है, क्योंकि आधुनिक युद्ध में साइबर हमले किसी भी सैन्य प्रणाली को निष्क्रिय कर सकते हैं। यदि पनडुब्बियों के संचार तंत्र या नियंत्रण प्रणाली को हैक कर लिया जाए, तो यह गंभीर खतरा बन सकता है। इसी प्रकार, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियाँ भी पनडुब्बियों की गोपनीयता को चुनौती दे सकती हैं, जिससे उनकी रणनीतिक उपयोगिता प्रभावित हो सकती है। भविष्य की रणनीति में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना आवश्यक होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम संचार और उन्नत सेंसर तकनीक का उपयोग पनडुब्बियों की क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ कर सकता है। क्वांटम संचार विशेष रूप से सुरक्षित संचार का एक नया माध्यम प्रदान कर सकता है, जिससे दुश्मन द्वारा संचार को बाधित या अवरोधित करना लगभग असंभव हो जाएगा। साथ ही, उन्नत सेंसर और निगरानी प्रणालियाँ पनडुब्बियों को अधिक सटीक, प्रभावी और सुरक्षित बना सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, किंतु अंततः किसी भी देश की सुरक्षा उसकी अपनी क्षमताओं पर ही निर्भर करती है। भारत विभिन्न वैश्विक मंचों पर सक्रिय है और समुद्री सुरक्षा के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करता है, परंतु उसे अपनी स्वदेशी क्षमताओं को भी समान रूप से सुदृढ़ करना होगा। इसके लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाना, वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाना तथा रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है।

समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक संतुलित और जिम्मेदार रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शांति और स्थिरता बनाए रखना है। एक मजबूत प्रतिरोधक क्षमता संभावित संघर्षों को रोकने में सहायक होती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश आक्रामक कदम उठाने से पहले उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करे। इस प्रकार, यह क्षमता युद्ध को रोकने का एक प्रभावी माध्यम बन जाती है। अंततः, यह कहा जा सकता है कि आधुनिक युग में भारत की समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का एक केंद्रीय तत्व बन चुकी है।

परीक्षा परिणामों के लिए अकेले विद्यार्थी जिम्मेदार नहीं

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से बड़ा कुछ भी पवित्र नहीं है। ज्ञान भौतिक संसार की सभी उपलब्धियों को प्राप्त करने का उपकरण है। जो लोग इस भौतिक संसार से पृथक अन्य लोकों का भी अस्तित्व मानते हैं, वह लक्ष्य भी ज्ञान मार्ग से ही प्राप्त होना संभव बताया गया है। ज्ञान प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ उपकरण है शिक्षा।भारतीय इतिहास के वैदिक काल में शिक्षा प्राप्ति को अन्य उपलब्धियों से श्रेष्ठ बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में शिक्षा को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधन बताया गया है। कभी भारतीय ज्ञान का डंका समूचे विश्व में छाया हुआ था। उच्च शिक्षा के कारण ही भारत को विश्वगुरु कहा जाता था।

छान्दोग्य उपनिषद में नारद को व्यथित बताया गया है। व्यथित नारद सनत कुमार के पास पहुंचे। उन्होंने सनत कुमार को अपनी व्यथा बताई। सनत कुमार ने नारद से पूछा कि आपने अब तक क्या-क्या पढ़ा है। नारद ने बताया, "हे भगवन मैंने ऋग्वेद सहित सभी वेद पढ़े हैं। भूगर्भ विद्या, नक्षत्र विद्या, आकाश विद्या, गणित, ज्योतिष आदि अनेक विषय पढ़े हैं। उपनिषद में यह सूची काफी बड़ी है। इसका अर्थ यह निकलता है प्राचीन भारत में अनेक विषय पढ़े और पढ़ाए जाते थे। आज की ज्ञान परंपरा में वैदिक काल और उसके पहले से लेकर आधुनिक काल तक सभी विषय प्रासंगिक हैं। शिक्षा या विद्यार्थी जीवन पुरुषार्थ का स्वर्णकाल है। प्राचीन काल में शिक्षा के सभी अनुशासन पढ़े-पढ़ाए जाते थे।

नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहाँ सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है।

संप्रति शिक्षा नौकरी और जीवन यापन की सुविधाएं जुटाने का यंत्र बन गई है। सरकारें अपने ढंग से अपने देश और राज्य के क्षेत्र में शिक्षा का प्रबंधन करती हैं। निजी क्षेत्र में भी शिक्षा के तमाम तरह के अनुशासन हैं। शिक्षा महंगी है और वह संस्कृति और दर्शन तथा ज्ञान प्राप्ति का उपकरण नहीं है। परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा अंक पाने की होड़ रहती है। विद्यार्थी अधिक अंक पाने के तनाव में रहते हैं। आत्महत्याएं होती हैं। शिक्षार्थी को अध्ययन के दौरान ज्ञान का आनंद नहीं मिलता। निजी क्षेत्र के विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम नहीं है। कुछ विद्यालय कक्षा 1 से पढ़ाई शुरू करवाते हैं। कुछ विद्यालय पहली कक्षा से भी पहले की कक्षाएं केजी, नर्सरी आदि नामों से चलवाते हैं। सीबीएसई पूरे देश में लागू केन्द्रीयकृत शिक्षा व्यवस्था है। बेशक इससे पूरे देश में एक समान शिक्षा का पाठ्यक्रम बनाया जाता है लेकिन विद्यार्थियों को अध्ययन के समय आनंदित करने के कोई उपाय नहीं है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं संचालित करता है। इसके परिणाम इसी सप्ताह घोषित हुए थे। लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षाकृत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिन बेटियों को अच्छे अंक मिले हैं, उन्हें बधाई। उनके परिजनों को बधाई। उनके गुरुजनों को बधाई। अभी कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई के परिणाम आने वाले हैं। एमपी बोर्ड के नतीजे पहले ही आ चुके हैं। ज्यादा अंक पाने वाले परीक्षार्थियों के घरों में भी इस बात का तनाव है कि उन्हें और अधिक नंबर क्यों नहीं मिले। मेरी अपनी पढ़ाई उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विद्यालय से हुई है। तब परीक्षाफल घोषित होने के दिन उल्लास होता था। कुछ फेल होते थे कुछ पास लेकिन शैक्षिक वातावरण तनावपूर्ण नहीं होता था। इधर 20-25 वर्षों में जो उत्तीर्ण हैं, वे भी रुआंसे हैं कि और अधिक अंक क्यों नहीं मिले। जो फेल हो गए हैं, उनके घर वाले सारा दोष बच्चों पर ही डाल रहे हैं।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव बढ़ता है। इसलिए विद्यालयों में काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। समय पर सही मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है। कौशल आधारित शिक्षा पर भी जोर देना होगा। केवल पारंपरिक पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। आईटी, उद्यमिता और कृषि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण जरूरी है। इससे छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे। मूल्यों की शिक्षा से विद्यार्थियों में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। वैदिक काल में शिक्षा जीवन से जुड़ी थी। वेद और उपनिषदों में ज्ञान, विज्ञान और नैतिकता का समन्वय मिलता है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय दुनिया भर में प्रसिद्ध थे। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। गुरुकुल परंपरा में गुरु और शिष्य का संबंध गहरा होता था। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं बल्कि चरित्र निर्माण भी था। मुगल काल और अंग्रेजी शासन के दौरान इस स्वदेशी शिक्षा व्यवस्था को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिला। पारंपरिक संस्थाएं कमजोर हुईं। हमारी मूल ज्ञान परंपरा प्रभावित हुई। आज आवश्यकता है कि हम अपनी इस समृद्ध परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ें। इससे आने वाली पीढ़ी मजबूत, संस्कारित और आत्मनिर्भर बन सकेगी।

अकेले विद्यार्थी ही परीक्षा परिणामों के लिए दोषी नहीं होते। उनकी सफलता या असफलता में आचार्य का भी श्रम अंतर्निहित होता है। इस वर्ष के परिणामों में जहाँ एक ओर विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की झलक स्पष्ट दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता भी महसूस होती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जो शैक्षिक असमानता है, उसे कम करना समय की मांग है। इसके लिए आवश्यक है कि संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित किया जाए और डिजिटल शिक्षा के माध्यमों को हर छात्र तक पहुँचाया जाए। घर परिवार के लोग भी उचित वातावरण देने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समाज भी व्यापक प्रभाव डालता है। संस्कृति और विद्यालय में पढ़ाई जाने वाले पाठ्यक्रम को भी इस जिम्मेदारी में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

मूलभूत प्रश्न है कि बच्चों को मिले अंक और तनाव की जिम्मेदारी किस पर डाली जाए। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना और उनकी रुचियों को समझना अधिक आवश्यक है। हर विद्यार्थी की क्षमता अलग होती है और उसी के अनुरूप उसे मार्गदर्शन मिलना चाहिए। असफलता को भी सीखने के अवसर के रूप में स्वीकार करना हमारी शिक्षा संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। चुनौती बड़ी है। टीवी खोलो तो युद्ध का धुआं है। पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। जैव विविधता पर संकट है। ग्लोबल वार्मिंग है। सारा वातावरण बच्चों को अवसाद की ओर ले जाता है। इसलिए सारा दोष बच्चों पर डालना उचित नहीं है।

अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक भगवान महावीर

पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक एवं जैन धर्म के चैबिसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। जिस युग में हिंसा, पशुबलि, जाति-पाँति के भेदभाव का बोलबाला था उसी युग में भगवान महावीर ने जन्म लिया। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा जैसे खास उपदेशों के माध्यम से सही राह दिखाने की कोशिश की। अपने अनेक प्रवचनों से मनुष्यों का सही मार्गदर्शन किया। नवीन शोध के अनुसार जैन धर्म की स्थापना वैदिक काल में हुई थी। जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक ऋषभदेव थे। महावीर स्वामी ने जैन धर्म में अपेक्षित सुधार करके इसका व्यापक स्तर पर प्रचार किया। महावीर स्वामी का जन्म वैशाली (बीहार) के निकट कुण्डग्राम में क्षत्रिय परिवार में हुआ था। बचपन का नाम वर्धमान था। पिता सिद्धार्थ, जो कुण्डग्राम के राजा थे एवं माता त्रिशला का संबन्ध भी राजघराने से था। राजपरिवार में जन्म होने के कारण महावीर स्वामी का प्रारम्भिक जीवन सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण बीता। पिता की मृत्यु के पश्चात 30 वर्ष की आयु में इन्होने सन्यास ग्रहण कर लिया और कठोर तप में लीन हो गये। ऋजुपालिका नदि के तट पर सालवृक्ष के नीचे उन्हे कैवल्य ज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) की प्राप्ति हुई जिसके कारण उन्हे केवलिन पुकारा गया। इन्द्रियों को वश में करने के कारण जिन कहलाये एवं पराक्रम के कारण महावीर के नाम से विख्यात हुए। जैन धर्म, महावीर स्वामी के समय में कोशल, विदेह, मगध, अंग, काशी, मिथला आदि राज्यों में लोकप्रिय हो गया था। मौर्यवंश व गुप्त वंश के शासनकाल के मध्य में जैन धर्म पूर्व में उडिसा से लेकर पश्चिम में मथुरा तक फैला था। महावीर स्वामी की मृत्यु के लगभग दो सौ वर्ष पश्चात जैन धर्म मुख्यतः दो सम्प्रदाय में बंट गया, (1) दिगम्बर जैन और (2) श्वेताम्बर जैन। श्वेताम्बर जैन मुनि सफेद वस्त्र धारण करते हैं जबकि दिगम्बर जैन मुनियों के लिये नग्न रहना आवश्यक है। जैन धर्म ने भारतीय सभ्यता और संस्कृति के विभिन्न पक्षों को बहुत प्रभावित किया है। दर्शन, कला, और साहित्य के क्षेत्र में जैन धर्म का महत्वपूर्ण योगदान है। जैन धर्म में वैज्ञानिक तर्कों के साथ अपने सिद्धान्तो को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। अहिंसा का सिद्धान्त जैन धर्म की मुख्य देन है। महावीर स्वामी ने पशु-पक्षी तथा पेङ-पौधे तक की हत्या न करने का अनुरोध किया है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1942 - अमेरिका के ओकलाहोमा प्रांत में आए तूफान के कारण 100 लोग मारे गए।
1960 - नई दिल्ली में नेशनल डिफेंस कालेज की शुरुआत।
1972 - अंतरिक्ष यान 'अपोलो 16' पृथ्वी पर वापस लौटा।
1989 - बांग्लादेश में तूफान से 500 लोगों की मौत।
2008 - राजस्थान सरकार ने प्रत्येक ज़िला मुख्यालय पर विकलांगों के लिए मोबाइल कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया।
2008 - पाकिस्तान ने अपने विदेश सचिव रियाज मुहम्मद खान को बर्खास्त कर उनके स्थान पर चीन में पाकिस्तान के राजदूत सलमान बशीर को विदेश सचिव नियुक्त किया।
2008 - मोरक्को की एक गद्दा फैक्ट्री में आग लगने से 55 लोगों की मृत्यु।
2011 - अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने जन्म को लेकर हुए विवाद के बाद सार्वजनिक तौर पर जन्म प्रमाण पत्र की एक प्रति जारी की।
2017 - लम्बे समय से कैंसर से पीड़ित हिन्दी फ़िल्म अभिनेता विनोद खन्ना का 70 वर्ष की आयु में निधन।

जन्म

1820 - हरबर्ट स्पेन्सर, प्रसिद्ध शिक्षाविद, दार्शनिक तथा समाजशास्त्री थे।
1912 - जोहरा सहगल - प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं रंगमंच कलाकार थीं।
1920 - मनीभाई देसाई, प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी
1931 - स्वामी विश्वेशतीर्थ - हिन्दू संत और पेजावर मठ के प्रमुख थे।
1947 - हरीश रावत, उत्तराखंड के सातवें मुख्यमंत्री हैं।
1949 - पी. सतशिवम - भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश।

निधन

1930 - टी. के. माधवन - केरल के प्रसिद्ध समाज सुधारक थे।
1998 - गुयेन वैन लिंह - वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव थे।
2009 - फिरोज खान - प्रसिद्ध अभिनेता एवं फिल्म निर्माता-निर्देशक
2010 - हेमंत दास - उड़िया फिल्म अभिनेता, 'सेसा स्त्रबाना', 'जाजबारा', 'छिलका', 'दांडा बलुंगा' और 'हकीम बाबू'।
2017 - विनोद खन्ना - प्रसिद्ध अभिनेता एवं राजनीतिज्ञ।
2021 - मनोज दास - प्रसिद्ध उड़िया साहित्यकार थे।

पश्चिम बंगाल चुनाव में साइलेंट वोटर के प्रभाव की चर्चा

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही तीव्र भावनाओं,जटिल सामाजिक समीकरणों और उच्च स्तर की जनभागीदारी के लिए जानी जाती रही है,लेकिन 23 अप्रैल 2026 को हुए मतदान और 24 अप्रैल 2026 को सामने आए पहले चरण के मतदान के आंकड़ों ने इस परंपरा को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। लगभग 93 प्रतिशत औसत मतदान और कई विधानसभा क्षेत्रों में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक ऊर्जा,राजनीतिक ध्रुवीकरण और मतदाताओं की असाधारण सक्रियता का संकेतक है।इस अभूतपूर्व मतदान ने न केवल राज्य के भीतर राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है,बल्कि राष्ट्रीय स्तरपर भी चुनावी विश्लेषकों, राजनीतिक दलों और नीति निर्माताओं के बीच गहन चर्चा को जन्म दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले इस रिकॉर्ड मतदान के स्वरूप को समझना आवश्यक है।2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 83.2 प्रतिशत मतदान हुआ था,जिसे उस समय भी उच्च माना गया था। इसके मुकाबले 2026 में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि केवल प्राकृतिक उतार-चढ़ाव नहीं मानी जा सकती।यह वृद्धि संकेत देती है कि इसबार क़ा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बनाए रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं के लिए पहचान,सुरक्षा विकास और राजनीतिक भविष्य से जुड़ा व्यापक जनमत संग्रह बन चुका है। जब मतदान प्रतिशत 90 के पार जाता है, तो आमतौर पर यह माना जाता है कि समाज के वे वर्ग भी मतदान में शामिल हुए हैं, जो सामान्यतः निष्क्रिय रहते हैं।

साथियों बात अगर हम इस बढ़ी हुई भागीदारी के पीछे कई कारक काम कर रहे हैं इसको समझने की करें तो पहला और सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक ध्रुवीकरण। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से वैचारिक और सामाजिक विभाजन तीखा हुआ है, उसने मतदाताओं को निष्क्रिय रहने की गुंजाइश नहीं छोड़ी। दूसरा कारक है महिला मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी। रिपोर्ट्स के अनुसार कई क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा,जो यह संकेत देता है कि कल्याणकारी योजनाएं, सुरक्षा का मुद्दा और सामाजिक सम्मान जैसे विषय निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। तीसरा महत्वपूर्ण तत्व है प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था,जिसे इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने लागू किया। केंद्रीय बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और बूथ स्तर पर पारदर्शिता ने मतदाताओं में विश्वास बढ़ाया।अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस बंपर मतदान का राजनीतिक लाभ किसे मिल सकता है। पारंपरिक चुनावी विश्लेषण कहता है कि जब मतदान प्रतिशत बढ़ता है, तो यह अक्सर सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) का संकेत होता है। इसका कारण यह है कि असंतुष्ट मतदाता अधिक संख्या में मतदान के लिए बाहर निकलते हैं। यदि इस सिद्धांत को लागू किया जाए, तो विपक्षी दलों को इसका लाभ मिल सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य इतना सरल नहीं है। यहां सत्तारूढ़ दल की जमीनी पकड़, संगठनात्मक ताकत और लाभार्थी योजनाओं का प्रभाव भी सटीक रूप से अत्यंत गहरा है।

साथियों बात अगर हम इसको उदाहरण के रूप में समझने की करें तो उदाहरण के लिए, यदि ग्रामीण क्षेत्रों और महिला मतदाताओं में वृद्धि अधिक है, तो इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को मिल सकता है,क्योंकि ये वर्ग अक्सर सरकारी योजनाओं से सीधे प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर, यदि शहरी क्षेत्रों, युवा मतदाताओं और पहली बार वोट देने वालों की भागीदारी में अधिक वृद्धि हुई है, तो यह विपक्ष के पक्ष में जा सकता है, क्योंकि ये वर्ग परिवर्तन की मांग अधिक करते हैं। इस प्रकार, केवल उच्च मतदान प्रतिशत को देखकर किसी एक पार्टी के पक्ष में निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।क्षेत्रीय विश्लेषण भी बेहद महत्वपूर्ण है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जैसे मुस्लिम बहुल जिलों में उच्च मतदान यह संकेत दे सकता है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने रणनीतिक रूप से मतदान किया है। यह मतदान किस दिशा में गया, यह परिणामों में स्पष्ट होगा, लेकिन यह तय है कि इन क्षेत्रों का प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक रहेगा। दूसरी ओर,दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जैसे उत्तर बंगाल के क्षेत्रों में उच्च मतदान क्षेत्रीय मुद्दों,पहचान कीराजनीति और विकास के सवालों को प्रमुखता देता है।इस चुनाव में साइलेंट वोटर का प्रभाव भी चर्चा का विषय है। ये वे मतदाता होते हैं जो सार्वजनिक रूप से अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त नहीं करते, लेकिन मतदान के दिन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उच्च मतदान अक्सर इस वर्ग की सक्रियता को दर्शाता है। यही कारण है कि चुनावी पंडित इस बार के परिणामों को लेकर असमंजस में हैं।

साथियों बात अगर हम अब एक और महत्वपूर्ण दावा जो सामने आ रहा है, वह यह है कि क्या इसको समझने की करें तो इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने प्रत्येक चुनाव में 10 प्रतिशत अधिक मतदान सुनिश्चित करने में सफलता प्राप्त की है। इस दावे को तथ्यों की कसौटी पर परखना आवश्यक है। चुनाव आयोग ने पिछले कुछ वर्षों में मतदाता जागरूकता अभियान, डिजिटल रजिस्ट्रेशन, बूथ सुविधाओं में सुधार और महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष प्रबंध जैसे कई कदम उठाए हैं।इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से देखा गया है, लेकिन हर चुनाव में 10 प्रतिशत की वृद्धि एक सामान्य पैटर्न नहीं है। यह वृद्धि स्थानीयराजनीतिक परिस्थितियों, मुद्दों औरप्रतिस्पर्धा की तीव्रता पर अधिक निर्भर करती है।इसी संदर्भ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की मांग का मुद्दा भी चर्चा में है। यह मांग मुख्यतः भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में सामने आई है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन भारत रत्न जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए व्यापक, दीर्घकालिक और बहुआयामी योगदान का मूल्यांकन किया जाता है। केवल एक चुनाव में उच्च मतदान प्रतिशत को इस सम्मान का आधार बनाना संस्थागत दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। हालांकि, यह तथ्य अवश्य है कि यदि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तो उसकी सराहना की जानी चाहिए।

साथियों बात अगर हम इस पूरे परिदृश्य का अंतरराष्ट्रीय महत्व भी कम नहीं है इसको समझने की करें तो,यदि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान लगातार होने लगे,तो यह विश्व लोकतंत्र के लिए एक मिसाल बन सकता है।कई विकसित लोकतंत्रों में भी मतदान प्रतिशत 60-70 के बीच रहता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल का यह अनुभव वैश्विक स्तर पर अध्ययन का विषय बन सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि, यह कहना उचित होगा कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह लोकतांत्रिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक गतिशीलता का एक जीवंत प्रयोग बन चुका है। 93 प्रतिशत का आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उस ऊर्जा का प्रतीक है जो भारतीय लोकतंत्र को जीवित और सक्रिय रखती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

कल्पक्कम में 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' का 'क्रिटिकैलिटी' हासिल करना ऐतिहासिक उपलब्धि: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'कल्पक्कम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के क्रांतिकता (क्रिटिकैलिटी) हासिल करने को एक ''ऐतिहासिक उपलब्धि'' बताया और कहा कि भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने देश को गौरवान्वित किया है। मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारतीय वैज्ञानिक असैन्य परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं और उनके प्रयास राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि 'क्रिटिकैलिटी' वह चरण है, जिसमें रिएक्टर पहली बार स्वतः परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया में सफलता हासिल करता है। इस चरण का मतलब है रिएक्टर का संचालन चरण में पहुंचना। भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में यह एक ''ऐतिहासिक उपलब्धि'' है और बड़ी बात ये भी है कि परमाणु रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें मार्च 2024 में कल्पक्कम में रिएक्टर की कोर लोडिंग देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा, ''मैं उन सभी को बधाई देता हूं, जिन्होंने, भारत के परमाणु कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया है।'' मोदी ने कहा कि देशवासियों के जीवन को बेहतर और आसान बनाने के लिए वैज्ञानिकों के प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। इससे विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी एक नयी ऊर्जा मिलेगी।

भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, 500 मेगावाट ई के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने छह अप्रैल को सफलतापूर्वक पहली क्रिटिकैलिटी (नियंत्रित परमाणु विखंडन श्रृंखला अभिक्रिया) प्राप्त कर ली है, जो दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। परमाणु रिएक्टर में 'क्रांतिकता' नाभिकीय श्रृंखला प्रतिक्रिया की वह स्थिर, स्व-पोषक अवस्था है, जिसमें न्यूट्रॉन उत्पादन न्यूट्रॉन हानि को संतुलित करता है, जिससे नियंत्रित मात्रा में विद्युत उत्पादन संभव हो पाता है।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पारंपरिक थर्मल रिएक्टरों के विपरीत पीएफबीआर यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड ऑक्साइड (एमओएक्स) ईंधन का उपयोग करता है। इस रिएक्टर को अंततः थोरियम-232 का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रूपांतरण प्रक्रिया के माध्यम से थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण को ईंधन प्रदान करेगा।

मन की बात : प्रधानमंत्री ने गुरुदेव को याद करने से लेकर ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियां साझा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में रविवार को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करते हुए उन्हें बहु आयामी प्रतिभा के धनी, लेखक और महान विचारक बताया और कहा कि उन्होंने कई प्रसिद्ध संस्थाओं को आकार दिया। प्रधानमंत्री ने शांति निकेतन की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बताया। 9 मई रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम से देश की ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दो बड़ी उपलब्धियां साझा की। उन्होंने तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलिटी हासिल करने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। साथ ही पवन ऊर्जा क्षेत्र में देश की उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंचने की उपलब्धि का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी उपलब्धि को भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने देश के अलग-अलग राज्यों में पवन ऊर्जा क्षमता के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले 1 साल में देश ने 6 गीगावॉट क्षमता बढ़ाई है। इससे देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से देश में जारी जनगणना को सफल बनाने के लिए जन भागीदारी की अपील की। उन्होंने बताया कि अब तक एक करोड़ 20 लाख मकान का सूचीकरण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से स्वयं फॉर्म भरने के बारे में भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने देश की विरासत को जानने और समझने की दिशा में नेशनल आर्काइव ऑफ इंडिया के हालिया प्रयास की जानकारी दी। आर्काइव इंडिया ने हाल ही में 20 करोड़ दस्तावेजों को डिजिटलाइज करके सार्वजनिक किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे जुड़ी वेबसाइट पर जाकर इन दस्तावेजों को पढ़ा जा सकता है। बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम से जुड़े धुन अब वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अब लोग वहां जाकर इसका आनंद ले सकते हैं। जल्द ही यह अन्य प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध होगी। भगवान बुद्ध के संदेश को आज भी प्रासंगिक बताते हुए प्रधानमंत्री ने दक्षिण अमेरिका के चिली का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे धीरे-धीरे भारतीय विचार दुनिया तक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री में आज वन्य जीव संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने की लोगों से पूर्वोत्तर के बांस के उत्पाद खरीदने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से अपील की कि वे पूर्वोत्तर का कोई ना कोई बांस का उत्पाद अवश्य खरीदें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से उन लोगों का हौसला बढ़ेगा जो इन उत्पादों को बनाने में अपना पसीना बहाते हैं। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान बनाए गए कानून के अनुसार बांस को पेड़ की श्रेणी में रखा गया था और उससे जुड़े नियम बहुत सख्त थे। उन्होंने कहा कि बांस को कहीं भी ले जाना-लाना बहुत कठिन था, जिसके कारण लोग बांस से जुड़े व्यवसायों से दूर होने लगे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने 2017 में कानून में बदलाव करके बांस को पेड़ की श्रेणी से हटाकर घास की श्रेणी में रखा। उन्होंने कहा, ''इसके परिणाम सभी को दिखाई दे रहे हैं। आज पूरे पूर्वोत्तर में बांस क्षेत्र फल-फूल रहा है। लोग लगातार नवाचार कर रहे हैं और इसमें मूल्य संवर्धन कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि जिसे कभी बोझ समझा जाता था, वही आज रोजगार, व्यापार और नवाचार को नयी गति दे रहा है और इसकी सबसे बड़ी लाभार्थी महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि लोग यह जानकर हैरान होंगे कि केवल बांस की परिभाषा बदलने से कितना बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि पूर्वोत्तर से कोई ना कोई बांस का उत्पाद अवश्य खरीदें। आप इसे उपहार के रूप में भी दे सकते हैं। आपके प्रयास उन लोगों का हौसला बढ़ाएंगे, जो बांस उत्पाद बनाने में अपना पसीना बहाते हैं।'' मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर भारत 'अष्टलक्ष्मी' के समान है और वहां अपार प्रतिभा मौजूद है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बढ़ाई जाए सतर्कता : डीआईजी

जम्मू। जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने सीमावर्ती क्षेत्रों की रणनीतिक संवेदनशीलता के कारण जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी निगरानी और सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कठुआ में जिला पुलिस लाइन में सभी पर्यवेक्षी अधिकारियों के साथ एक व्यापक सुरक्षा और अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने अधिकारियों से राष्ट्र-विरोधी तत्वों के किसी भी बुरे इरादे को प्रभावी ढंग से विफल करने के लिए कड़ी निगरानी रखने और सतर्कता बढ़ाने को कहा। अधिकारियों को सीमा पर मजबूत सुरक्षा ग्रिड सुनिश्चित करने के लिए कड़ी जांच, गश्त बढ़ाने और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने जिले के अपराध और सुरक्षा परिदृश्य के व्यापक अवलोकन के साथ-साथ जिला पुलिस कठुआ के कामकाज की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस दौरान जेएसके रेंज के डीआईजी ने कठुआ में दर्ज मामलों, उनकी जांच की स्थिति और निपटान की जांच की और त्वरित न्याय देने के लिए नए आपराधिक कानूनों के अनुसार समय पर निपटान सुनिश्चित करते हुए लंबित जांच में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने जांच कार्यवाही, भगोड़ों, हिस्ट्रीशीटरों और गैंगस्टरों की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आपराधिक तत्वों पर 360 डिग्री निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों, खासकर संगठित अपराध सिंडिकेट की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अपराधियों को कानून की पूरी ताकत का सामना करना पड़े और जनता सुरक्षित महसूस करे। डीआईजी ने चल रहे 'नशा मुक्ति अभियान' की भी समीक्षा की और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए ड्रग तस्करों और तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया।

हथियार तस्करों पर शिकंजा, भारी मात्रा में हथियार व नकदी बरामद

सुपौल। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध हथियार तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की विशेष टीमों ने लगातार छापेमारी कर बड़ी सफलता हासिल की है। अभियान के दौरान अलग-अलग तिथियों में की गई कार्रवाई में किशनपुर, सुपौल, पिपरा और राघोपुर थाना क्षेत्रों से कुल 10 हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार, गोलियां, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार बरामद सामानों में 5 पिस्टल, 2 देसी कट्टा, 5 अर्धनिर्मित पिस्टल, 10 मैगजीन, 7 जिंदा कारतूस, 1 खोखा, 4 मोबाइल, 5 मोटरसाइकिल, एक चार चक्का वाहन और 2 लाख 8 हजार रुपये नकद शामिल हैं। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क, बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच भी की जा रही है, ताकि पूरे गिरोह का खुलासा किया जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मणिपुर : ग्रेटर इंफाल में हिंसा और अशांति फैलाने के आरोप में छह गिरफ्तार, सुरक्षा कड़ी

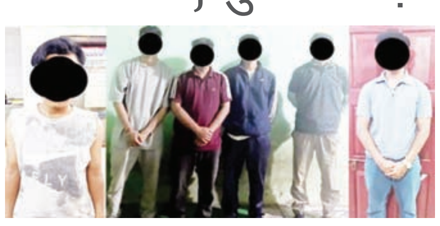

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने ग्रेटर इंफाल क्षेत्र में सार्वजनिक शांति भंग करने, हिंसा फैलाने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान के तहत की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति बहाल करना और आगे किसी भी प्रकार की अशांति को रोकना था। रविवार को मणिपुर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान युमनाम सोमनाथ उर्फ नोंगासाबा (21), निंगथौजम प्रेम सिंह (25), सोरोखैबम रुस्तम (25), न्गैरांगबम याइखोम्बा (25), वांगखेम इंगो मेइतेई (30) और मोइरांगथेम नाओबा मेइतेई (24) के रूप में की गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये सभी आरोपित ग्रेटर इंफाल के कुछ संवेदनशील इलाकों में हिंसक गतिविधियों और अशांति फैलाने में कथित रूप से शामिल थे। इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत कर दी है। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इन घटनाओं के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क या अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। जांच एजेंसियां इस मामले से जुड़े हर पहलू की गहन जांच कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

युवाओं को बर्बाद करने के लिए नशा देश विरोधी ताकतों का हथियार : सतीश शर्मा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने रविवार को नशीले पदार्थों को देश के युवाओं को नष्ट करने के लिए राष्ट्र-विरोधी ताकतों का हथियार बताया और शून्य-सहिष्णुता पर कार्रवाई करने का आह्वान किया।

डल झील के तट पर 'संडेज़ ऑन साइकिल' कार्यक्रम के मौके पर खेल मंत्री ने कहा कि भारत की इकहत्तर प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। वे किसी और तरीके से देश को बर्बाद नहीं कर सकते, इसलिए वे अपना काम करने के लिए दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति, परिवहन और युवा सेवा विभाग संभालने वाले मंत्री ने चेतावनी दी कि मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि वे देशद्रोही हैं जो नशीली दवाओं के आदी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं एक राजनेता, एक पुलिसकर्मी या कोई और अगर कोई नशे का आदी है, तो मैं नियम तोड़ दूंगा।

ऐतिहासिक कानून का विरोध कर विपक्ष ने महिला विरोधी मानसिकता उजागर की: केंद्रीय मंत्री

बीकानेर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने रविवार को बीकानेर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि महिलाओं को संसद एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस ऐतिहासिक कानून का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब देश की मातृशक्ति को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर आया तो विपक्षी दलों ने बहानेबाजी, भ्रम फैलाने और प्रक्रिया को बाधित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को कमजोर करने और महिलाओं के अधिकारों को टालने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। मेघवाल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक बिल नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के सपनों और उनकी भागीदारी का प्रतीक है। ऐसे में विपक्ष द्वारा इस विषय पर नकारात्मक राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को उनका संवैधानिक हक दिलाने का कार्य किया है, जबकि विपक्ष वर्षों तक केवल राजनीति करता रहा। मेघवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम उसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल महिलाओं के अधिकारों पर केवल राजनीति करते हैं, जबकि वास्तविक सशक्तिकरण के प्रयासों का विरोध करते हैं। यह बिल महिलाओं के लिए ऐतिहासिक अवसर था जिसे विपक्ष ने गंवा दिया। विपक्ष का विरोध यह दर्शाता है कि वे महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया आज की प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, राजेंद्र पंवार, प्रभारी ओम सारस्वत, कमल गहलोत उपस्थित रहे।

आयोग ने 17 हजार से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती का लिया फैसला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग को कर्मियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए आयोग ने पहले चरण में काम कर चुके केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को फिर से ड्यूटी पर लगाने का निर्णय लिया है। आयोग ने 17,276 से अधिक कर्मचारियों को दूसरे चरण के मतदान में तैनात करने की योजना बनाई है। आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, इन कर्मचारियों को जिला स्तर पर तुरंत नियुक्त करने और उन्हें नियुक्ति पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया है। बताया गया है कि ये सभी कर्मचारी पहले चरण के मतदान में पहले ही अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं और अब उन्हें दूसरे चरण में भी तैनात किया जाएगा। प्रिसाइडिंग ऑफिसर समेत विभिन्न चार श्रेणियों में इनकी नियुक्ति की जाएगी। रविवार को चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि जिलावार तैनाती में सबसे अधिक दक्षिण 24 परगना में 6620 कर्मचारियों को लगाया जा रहा है। इसके बाद उत्तर 24 परगना में 5680, नदिया में 1745, हावड़ा में कुल 724 (जिसमें डोमजूर में 221) कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है। इसके अलावा दक्षिण कोलकाता में एक हजार 109, हुगली में 712 और पूर्व बर्धमान में 686 कर्मियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इस फैसले पर सवाल भी उठने लगे हैं। वोटकर्मी एकता मंच के महासचिव स्वप्न मंडल ने पूछा कि केवल केंद्रीय कर्मचारियों को ही क्यों तैनात किया जा रहा है, जबकि राज्य सरकार के कई कर्मचारी अभी तक किसी चुनावी ड्यूटी में शामिल नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति पहले देखने को नहीं मिली है, हालांकि उन्होंने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

दक्षिण बंगाल में कालबैसाखी का अलर्ट

कोलकाता समेत कई जिलों में बारिश की संभावना

हुगली। भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर है। अलीपुर मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल के कई जिलों में कालबैसाखी (आंधी-तूफान) और बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में रविवार से बारिश होने की संभावना है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, उत्तर बंगाल के लिए भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी बिहार के ऊपर एक चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है, जिसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 0.9 किलोमीटर है। इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी दक्षिण बंगाल की ओर आ रही है, जिससे आंधी और बारिश का सिलसिला शुरू होगा। हालांकि, कुछ जगहों पर उमस बनी रह सकती है।

कोलकाता में रविवार से लगातार बारिश का पूर्वानुमान है। गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। यह स्थिति अगले शनिवार तक बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, नदिया, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पूर्व बर्धमान और पश्चिम बर्धमान और बीरभूम जिलों के लिए रविवार और सोमवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। समुद्र में भी तेज हवाएं चल रही हैं, जिनकी रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा है और झोंकों में यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके कारण पश्चिम बंगाल और उत्तर ओडिशा के तटीय इलाकों में समुद्र उग्र बना हुआ है। मछुआरों को बुधवार तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। उत्तर बंगाल में रविवार और सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में तेज बारिश के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। यह स्थिति अगले शनिवार तक बनी रहने की संभावना है। रविवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक है। शनिवार को अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो दिनों में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन उसके बाद पांच दिनों में तापमान तीन से चार डिग्री तक गिर सकता है।

2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बेटियों ने पुलिस ट्रेनिंग में दिया मजबूती, तत्परता समर्पण व अनुशासन का परिचय: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों को दीक्षांत परेड समारोह में संबोधित कर रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन में हुए आयोजन में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने वाली महिला आरक्षियों को बधाई दी और कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब आप सबको जनपदों की फील्ड ड्यूटी में जाना है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आरक्षी प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व मूल्यों का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य परायणता से यूपी पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। योगी ने कहा कि आज प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसी बटालियनों, 112 रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है। 15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। 21 जुलाई से इनका प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस दौरान मैं भी विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में गया और देखा कि प्रशिक्षण व सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी पुलिस के सामने चुनौती व संकट था, लेकिन हमने इसे देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया। हमने 2.18 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती और 1 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया। 2017 में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता महज 3 हजार थी, लेकिन हमने 60244 पुलिस आरक्षियों का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही एक साथ संपन्न किया है, जो 9 वर्ष में अर्जित की गई प्रगति को दर्शाता है। योगी ने कहा कि 2017 के पहले पुलिस के बैरक टूटे-फूटे, खपड़ैल व टीनशेड के होते थे, लेकिन अब 55 जनपदों में पुलिस कार्मिकों के बैरक व आवासीय सुविधा के हाईराइज भवन दिखाई देते हैं। प्रशिक्षण केंद्र उत्कृष्ट हो रहे हैं।

हर प्रशिक्षु को आधारभूत प्रशिक्षण देने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया गया। यूपी पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल भी लांच किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण को वैज्ञानिक व आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में पुरानी 303 नॉट राइफल के स्थान पर आधुनिक इंसास व एसएलआर राइफल के जरिए प्रशिक्षण दिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मिशन कर्मयोगी के तहत कर्मयोगी पोर्टल पर 5 विशेष मॉड्यूल तैयार किए गए। 32 विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। हाल में संचालित साधना सप्ताह में शासकीय कर्मचारियों ने 1.25 करोड़ कोर्स पूर्ण कर यूपी को देश में पहला स्थान दिलवाया है। यूपी पुलिस ने इसमें 28 लाख कोर्स पूरे किए। यूपी पुलिस देश भर के सभी राज्यों-विभागों में चौथे स्थान पर रही है।

उन्होंने कहा कि यूपी एटीएस के अधिकारियों व जवानों को एनएसजी और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के मानक के अनुरूप प्रशिक्षण देने का कार्य चल रहा है। पुलिस बल को व्यावहारिक दक्षता व सॉफ्ट स्किल पर आधारित विशेष ट्रेनिंग भी दी जा रही है। 75 जनपदों में साइबर थानों की स्थापना के साथ ही पुलिस कर्मियों को आधुनिक साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेस की स्थापना की गई है। यहां पुलिस बल को वैज्ञानिक जांच की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी पुलिस देश में मॉडल व 'स्मार्ट' है। यूपी पुलिस आमजन को सुरक्षा, सुविधा उपलब्ध कराने में योगदान दे रही है। अब यूपी में दंगे नहीं होते, सत्ता के समानांतर कोई राज नहीं चलता, गुंडा टैक्स व अवैध वसूली भी नहीं होती। अब यूपी में अपराधियों के मन में भय और पुलिस का मनोबल ऊपर है। पहले प्रदेश की छवि अराजकता-अस्थिरता का पर्याय बना था, लेकिन अब स्पष्ट नीति व साफ नीयत का परिणाम साफ दिखाई देता है।

2017 के पहले की स्थिति बयां करते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में दंगे और महीनों कर्फ्यू लगता था। कोई खुद को सुरक्षित नहीं महसूस करता था, लेकिन यूपी पुलिस अब दंगे से पहले ही उसे रोकने में सफल है। अब यूपी में महिला कार्यबल 13 से बढ़कर 36 फीसदी से अधिक हुआ है। यूपी पुलिस ने खुद को आर्थिक प्रगति की रीढ़ के रूप में भी तैयार किया है। इस कारण प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि 2019-20 से अनवरत मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए कार्यक्रम बढ़ रहे हैं। हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र बने हैं। तीन महिला पीएसी बटालियनों (लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी, गोरखपुर में झलकारी बाई कोरी व बदायूं में अवंती बाई लोधी) का गठन किया गया है। तीन अन्य नई बटालियन के गठन की प्रक्रिया को बढ़ाया गया है। 17 नगर निगम व गौतमबुद्ध नगर में सेफ सिटी परियोजना को लागू किया है। सीएम ने कहा कि यूपी को 'लॉ एंड ऑर्डर' का आदर्श मॉडल बनाने और अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण पुलिस बल की कार्यक्षमता को बेहतर करने के लिए रिकॉर्ड स्तर पर सीधी भर्ती प्रक्रिया संपन्न की गई। इनमें अनिवार्य रूप से 20 प्रतिशत बेटियों को भर्ती किया गया है। हमारी सरकार ने 2017 की तुलना में यूपी पुलिस के बजट को तीन गुना से अधिक बढ़ाया और 7 पुलिस कमिश्नरेट भी स्थापित किए। यूपी एसएसएफ (स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स) का गठन किया गया। पिंक पुलिस बूथों की स्थापना हुई। एटीएस को अत्याधुनिक तकनीक, साइबर एक्सपर्ट, आधुनिक प्रशिक्षण से सुसज्जित किया गया। 12 फॉरेंसिक लैब की स्थापना की गई, 6 लैब निर्माणाधीन हैं। हर जनपद में दो-दो मोबाइल फॉरेंसिक लैब स्थापित की गईं।

हमने यूपी-112 के रिस्पांस टाइम को 65 मिनट से घटाकर 6-7 मिनट लाने में सफलता हासिल की है। समारोह में राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण आदि मौजूद रहे। दीक्षांत परेड में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों पुरस्कार पाकर आरक्षियों का हौसला भी बढ़ा। महिला आरक्षी नेहा यादव को तीन, सोनम को दो व रिया सिंह कुशवाहा को एक पुरस्कार प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिह्न प्रदान किया। डीजीपी ने दीक्षांत परेड में आरक्षियों को शपथ भी दिलाई।

महिला आरक्षण बिल का विरोध कर कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया : दयाशंकर सिंह

देवरिया। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने रविवार को कहा कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन से जुडे महिला आरक्षण बिल का विरोध कर कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने भारतीय नारी का अपमान किया है। उन्होंने बिल पास न होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने रविवार को जनपद देवरिया के विकास भवन स्थित सभागार में प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधायी प्रक्रिया का मुद्दा नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और उनकी भागीदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मोदी–योगी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। परिवहन मंत्री ने आगे कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े बिल का उद्देश्य समाज में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व और अधिकार देना है। ऐसे में इसका पास न होना निश्चित रूप से चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर बिल पर व्यापक चर्चा होनी आवश्यक है, लेकिन यह भी जरूरी है कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लिए जाएं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस बिल को लेकर सहमति बनेगी और इसे पारित किया जाएगा।

मंत्री ने विपक्ष पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक कारणों से महत्वपूर्ण विधेयकों में देरी होती है, जिससे आम जनता, खासकर महिलाओं के हित प्रभावित होते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने के पक्ष में है और इस मुद्दे पर भी बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पहले से ही महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के लिए कई योजनाएं चला रही है। परिवहन विभाग में भी महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं और अवसर बढ़ाए जा रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। सरकार महिला हितों से जुड़े अन्य प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।–

करोड़ो की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। इंडो–नेपाल अन्तरराष्ट्रीय बार्डर से सटे रुपईडीहा थाना क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स व रुपईडीहा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से करोड़ों रुपये की चरस बरामद हुई है।

थानाध्यक्ष रमेश रावत ने रविवार को बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एसआई सूरज सिंह को सूचना मिली कि जमुनहा निवासी इस्माइल मादक पदार्थ की तस्करी करता है। सूचना मिलते ही टीम सक्रिय हुई और चकिया रोड स्थित मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान पर दबिश देकर तस्कर इस्माइल को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 6 किलो 770 ग्राम नाजायज चरस बरामद कर लिया, जिसकी कीमत करोड़ों में है। पुलिस टीम ने मादक पदार्थ को जब्त कर लिया और आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दामाद ने पत्नी और सास को उतारा मौत के घाट, ससुर को भी किया घायल

बलिया। पत्नी की विदाई न होने से नाराज दामाद ने ससुराल में चाकू से गोदकर पत्नी और सास की हत्या कर दी। उसके हमले में ससुर गंभीर रुप से घायल हो गए, जिनका इलाज वाराणसी में चल रहा है। हैवान दामाद की पुलिस की तीन टीमें तलाश कर रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार गड़वार थाना क्षेत्र के सिंहाचवर निवासी अमित गुप्ता की ससुराल नगरा थाना क्षेत्र के बछईपुर में है। जहां अमित शनिवार रात को पहुंचा। पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

शनिवार मध्यरात्रि में गुस्साए अमित 22 वर्षीय पत्नी प्रीति पर चाकू से वार करने लगा। उसे बचाने आए सास–ससुर पर भी हैवान बने दामाद ने ताबतोड़ हमला कर दिया। उसके हमले में उसका ढाई वर्ष का बेटा भी घायल हो गया। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि अमित गुप्ता पत्नी की विदाई न होने से नाराज था। वहीं, इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलने पर तत्काल नगरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची थी। हालांकि, तब तक आरोपित फरार हो गया। रविवार सुबह घटना की जानकारी देते हुए एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि मध्यरात्रि में सूचना प्राप्त हुई थी कि बछईपुर गांव में चाकूबाजी हुई है। जानकारी हुई थी कि अमित कुमार गुप्ता नाम का लड़का है, जो मूल रूप से सिंहाचौर गड़वार थाने का रहने वाला है, जिसकी ससुराल बछईपुर गांव नगरा में थी, उसके द्वारा रात्रि में आकर अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद होने के कारण पहले अपनी पत्नी पर हमला किया

उसके बाद जब उसके सास–ससूर बचाने आये तो उन पर भी हमला किया। इस घटना के आरोपी अमित कुमार की पत्नी और उसकी सास सुशीला देवी (45) की मौत हो गई है। उसके घायल ससुर को तत्काल अस्पताल भेजा गया। जहां से उन्हे बेहतर इलाज हेतु वाराणसी रेफर किया गया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। पुलिस उसके सभी संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। स्वाट और सर्विलांस टीम भी सक्रिय है। आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

विवाद के बाद तीन युवकों की गोली मारकर हत्या, दो लोग गिरफ्तार

बुलंदशहर। जिले के खुर्जा नगर थाना क्षेत्र में वाद–विवाद के दौरान तीन युवकों की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए कहा कि मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अंतरिक्ष जैन ने बताया कि शनिवार देर रात खुर्जा नगर क्षेत्र के सुभाष रोड स्थित एक स्कूल के पास आपसी कहासुनी में तीन लोगों को गोली मार दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा घायलों को अस्पताल भिजवाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अमरदीप (30), मनीष (28) और आकाश (18) के रूप में हुई है। मेरठ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कलानिधि नैथानी ने बताया कि लोगों की शिकायतों और बताए गए घटनाक्रम के अनुसार कुछ युवकों का जिम में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद यह घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जन्मदिन पार्टी के दौरान आपसी कहासुनी होने पर दोस्तों के बीच विवाद हुआ था।'' पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छह टीम का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि फील्ड यूनिट मौके पर मौजूद है और कुछ साक्ष्य एकत्र किए गए हैं, जिनका अलग से विश्लेषण किया जा रहा है। नैथानी ने संवाददाताओं से कहा कि घटना के समय मौके पर मौजूद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जो उसी समाज के हैं। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों की धरपकड़ के लिए प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, ''दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।'' उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे समेत तीन लोगों की मौत

सीतापुर। इमलिया सुलतानपुर इलाके में सीतापुर–गोला रोड पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसकी वजह से एक महिला और उसके बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना उस समय हुई जब हिमांशु (30), उसकी मां रेखा (50), और सुनिता (45) सीतापुर के ऐलिया ब्लॉक में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर लौट रहे थे। तीनों रामकोट क्षेत्र के अरथाना गांव के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, रेखा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि हिमांशु और सुनिता को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

वाराणसी। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित महिला सम्मेलन कार्यक्रम से पहले रविवार को भाजपा के महानगर कार्यालय गुलाब बाग पर महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। मन की बात सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश का माहौल दिखाई पड़ा। भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता प्रमिल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम के 133 वें एपिसोड में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जिस तरह के तनावों और संघर्षों से गुजर रही है, ऐसे में बुद्ध के विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं। दक्षिण अमेरिका के चिली में एक संस्था भगवान बुद्ध के विचार को आगे बढ़ा रही है। भारत ने विज्ञान को हमेशा देश की प्रगति से जोड़कर देखा है। इसी सोच के साथ हमारे वैज्ञानिक सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम को आगे बढ़ा रहे हैं।उनके प्रयासों से यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहा है। इससे हमारे इंडस्ट्रियल ग्रोथ, एनर्जी क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है। खेती–किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स को भी भारत के सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने बहुत मदद की है।

भाजपा के महानगर मीडिया टीम में कार्डिनेटर अशोक पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में बहुत अच्छी बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं एक ऐसी शक्ति की बात करना चाहता हूं जो अदृश्य है, लेकिन जिसके बिना हमारा देश एक पल भी न चले। यही ताकत भारत को आगे बढ़ा रही है। यह हमारी पवन शक्ति है।आज यही पवन शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है।भारत ने हाल ही में पवन ऊर्जा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज के वर्तमान समय में पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा का महत्व हमारे जीवन में अधिक है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा बरसात खत्म होते ही कच्छ के रण की धरती जीवंत हो जाती है, हर साल लाखों फ्लैमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे फ्लैमिंगो सिटी कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोसलें बनाते हैं, और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं, कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं। भारत के दुग्ध प्रोडक्ट चीज के बारे में चर्चा किया। प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात में रिट्रीट बैंड की भी चर्चा की। मई माह 1857 के स्वतंत्रता की याद दिलाता है।

भारत-नेपाल सीमा के पास 20 करोड़ रुपये का 327 किलो गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में भारत–नेपाल सीमा के पास सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने 327.17 किलोग्राम गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

एसएसबी के सहायक कमांडेंट दिनेश चंद्र बिस्वास ने बताया कि एक सूचना के आधार पर टीम ने बिहार के गोपालपुर थानाक्षेत्र के रणजीत गिरी (37) को गिरफ्तार किया तथा उसके ट्रक से गांजे के 21 बंडल बरामद किये। उन्होंने बताया कि आरोपी नेपाल से गांजा ट्रक से इलाके में आपूर्ति के लिए ला रहा था।

बिस्वास ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद रणजीत गिरी को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया गया तथा उस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। सहायक कमांडेंट ने कहा कि रणजीत गिरी जिस गिरोह का हिस्सा है, उसका एक अन्य सदस्य फरार होने में कामयाब हो गया जिसकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपी से पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

भीषण गर्मी : अयोध्या में राम मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या 60% से अधिक घटी

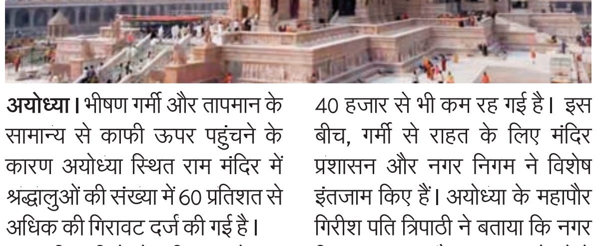

अयोध्या। भीषण गर्मी और तापमान के सामान्य से काफी ऊपर पहुंचने के कारण अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में 60 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सामान्य दिन में यहां रोजाना एक लाख से अधिक श्रद्धालु आते थे, लेकिन भीषण गर्मी के कारण अब यह संख्या घटकर 40 हजार से भी कम रह गई है। इस बीच, गर्मी से राहत के लिए मंदिर प्रशासन और नगर निगम ने विशेष इंतजाम किए हैं। अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि नगर निगम राम पथ और आसपास के क्षेत्रों में स्प्रिंकलर मशीन से पानी का छिड़काव कर रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन हजार भक्त की क्षमता का वातानुकूलित प्रतीक्षालय बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''बढ़ती गर्मी को देखते हुए रामलला के भोग में भी बदलाव किया गया है। लस्सी, फलों का रस, खासकर आम का रस रोजाना चढ़ाया जा रहा है। सोने के पात्र में शहद, दही, घी और जल का विशेष मिश्रण अर्पित किया जा रहा है।'' मिश्रा ने कहा, ''गर्मी में भगवान (प्रतिमा) को ठंडे जल से स्नान कराया जा रहा है। रामलला को हल्के सूती या हल्के रेशमी वस्त्र धारण कराए जा रहे हैं। गर्भगृह को ठंडा रखने के लिए कूलर लगाए गए हैं। भीषण गर्मी में बालरूप रामलला के आराम के लिए अनुष्ठानों में भी बदलाव किया गया है।''

भीषण गर्मी के मद्देनजर काशी विश्वनाथ पर लगा शावर, मंदिरों में एसी-कूलर

वाराणसी। वाराणसी में बढ़ती गर्मी को देखते हुए मंदिरों में भक्तों के साथ–साथ भगवान के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। व्यवस्था से जुड़े लोगों ने रविवार को यह जानकारी दी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने परंपरा के अनुसार अक्षय तृतीया से सावन मास तक श्री काशी विश्वनाथ के विग्रह पर 'कुंवरा' यानी शावर की स्थापना की है। मंदिर प्रशासन ने बताया कि अक्षय तृतीया से शिवलिंग पर निरंतर जलाभिषेक हो रहा है और इसके साथ ही बाबा का विभिन्न फलों के रस से भी अभिषेक किया जा रहा है। बटुक भैरव मंदिर के महंत जितेंद्र मोहन पुरी ने बताया कि गर्मी के मद्देनजर बाबा बटुक भैरव के गर्भगृह में 24 घंटे एसी चलाया जा रहा है। बाबा को सूती वस्त्र धारण कराए जा रहे हैं। भोग में दही, फल और ठंडी चीजें अर्पित की जा रही हैं। मंदिर परिसर में भक्तों के लिए ठंडे पानी और जगह–जगह कूलर की व्यवस्था की गई है। लोहटिया स्थित राम–जानकी मंदिर के पुजारी देवेंद्र नाथ चौबे ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए भगवान के लिए कूलर लगाए गए हैं। भगवान को सूती वस्त्र पहनाए जा रहे हैं और मौसमी फलों का भोग लगाया जा रहा है।

तेंदुए के हमले में महिला की मौत, वन विभाग ने शुरू की तलाश

लखीमपुर खीरी। दुधवा बफर जोन के उत्तरी निघासन वन क्षेत्र में शनिवार रात तेंदुए के हमले में एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान सिंगाही थाना क्षेत्र के सहजाना गांव की संध्या देवी (30) के रूप में हुई है। दुधवा बफर जोन की उप निदेशक कीर्ति चौधरी ने बताया कि संध्या का शव उसकी झोपड़ी से कुछ मीटर दूर खेतों से बरामद किया गया। उप निदेशक के अनुसार संध्या देवी झोपड़ी के बाहर सो रही थी, तभी तेंदुए ने हमला कर उसे खेतों की ओर घसीट ले गया। चौधरी का कहना है कि परिजनों और ग्रामीणों ने शोर मचाकर तेंदुए का पीछा किया, लेकिन तब तक तेंदुआ महिला को मार चुका था तथा मौके पर उसका अधखाया शव मिला। उन्होंने कहा कि तेंदुए की तलाश और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग की टीम तैनात की गई हैं तथा शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद शोक संतप्त परिवार को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा।

दलित युवती की हत्या कर शव पेड़ से लटका दिया गया, प्राथमिकी दर्ज

प्रतापगढ़। जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर मानिकपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह अनुसूचित जाति (दलित) की एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है।

अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय ने बताया कि मानिकपुर थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति की 19 वर्षीय बेटी शनिवार रात खाना खाने के बाद सोने चली गई थी तथा रविवार सुबह उसका शव घर से करीब 400 मीटर दूर बाग में पेड़ पर लटका मिला।

राय ने बताया कि घटनास्थल से 50 मीटर दूर उसकी चप्पल और अंतःवस्त्र मिले एवं शरीर पर चोट के निशान भी हैं। एएसपी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला है। ग्रामीणों का कहना है कि दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। पुलिस ने युवती के भाई की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

एएसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर सुसंगत धाराएं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

IPL: हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स का सामना संतुलित रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से

लखनऊ। पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। पंजाब किंग्स ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अब उसका मुकाबला आरसीबी जैसी एक और मजबूत टीम से है जो सात मैच में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

दिल्ली ने अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उसके गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। केएल राहुल की अगुवाई वाले उनके शीर्ष क्रम ने लगातार तेज शुरुआत दी है, जबकि नितीश राणा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों ने बीच ओवरों में लय बनाए रखने में मदद की है। उसके गेंदबाज हालांकि अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। विशेषकर डेथ ओवरों में उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। ऐसे में अगर उसको अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज आकिब नबी, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल को विशेष रूप से महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी तरफ आरसीबी की टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। विराट कोहली की अगुवाई में उनकी बल्लेबाजी इकाई मजबूत नजर आती है। देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म ने उसे और मजबूती प्रदान की है। उसके मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने भी मैच का सकारात्मक अंत करने में अधिक स्पष्ट भूमिका निभाई है। लेकिन आरसीबी केवल बल्लेबाजी में ही खतरनाक नहीं है। उसके गेंदबाजों ने भी महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कर अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली के बल्लेबाजों को उनसे सतर्क रहने की जरूरत होगी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में आरसीबी की गेंदबाजी इकाई ने दबाव में रहते हुए संयम का शानदार नमूना पेश किया था।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **दिल्ली कैपिटल्सः** अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन और कुलदीप यादव।
- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः** रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, और विहान मल्होत्रा।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

गुजरात के विशाल स्कोर बनाने की अच्छी स्थिति में होने के बावजूद सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड की तिकड़ी ने अंतिम ओवरों में अपनी रणनीति को अच्छी तरह से अंजाम दिया और तेजी से रन बनाने पर रोक लगाई।

दिल्ली और आरसीबी के बीच होने वाले मुकाबले में कुछ पहलू महत्वपूर्ण होंगे। आरसीबी के गेंदबाजों के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अहम साबित होगा। इसके अलावा बीच के ओवरों में उसके बल्लेबाजों और आरसीबी के स्पिन गेंदबाजों के बीच मुकाबला मैच के परिणाम का फैसला कर सकता है। आखिरी ओवरों में सारी निगाहें दिल्ली के गेंदबाजों पर टिकी होंगी, जिन पर पंजाब के खिलाफ मिली करारी हार के बाद खुद को साबित करने का दबाव होगा।

वहीं आरसीबी के अनुभवी गेंदबाज मैच का रुख मोड़ने की कोशिश करेंगे। अब टूर्नामेंट निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दो अंकों से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यह दिल्ली के धैर्य की परीक्षा है और बेंगलुरु के लिए अपनी श्रेष्ठता साबित करने का अवसर है।

उबर कपः यूक्रेन पर जीत से भारत की क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

होर्सेंस (डेनमार्क)। भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी।

यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को एकल में आराम दिया था जिससे 2026 थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरे एकल में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

भारत को एकमात्र हार महिला युगल के पहले मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को बुहरोवा और कांटेमिर से 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिंधु और तनीशा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल की। भारत अब सोमवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीन से भिड़ेगा। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए उसे इस मैच में जीत हासिल करनी होगी।

मैनचेस्टर सिटी एफए कप के फाइनल में, आर्सेनल प्रीमियर लीग में शीर्ष पर पहुंचा

लंदन। मैनचेस्टर सिटी एक बार फिर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है जबकि आर्सेनल प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहा। सिटी ने शनिवार को वेम्बली में खेले गए मैच में साउथेम्प्टन को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में जगह बनाई। दूसरे हाफ में एक गोल से पिछड़ने के बाद निको गोंजालेज के 87वें मिनट में किए गए गोल से सिटी ने जीत दर्ज की।

इस जीत ने सिटी की घरेलू स्तर पर तीन खिताब जीतने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वह पहले ही इंग्लिश लीग कप जीत चुका है और प्रीमियर लीग खिताब के लिए आर्सेनल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहा है। प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने एबेरेची एज़े के गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल करके सिटी पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। आर्सेनल के 34 मैच में 73 और सिटी के 33 मैच में 70 अंक हैं। इस बीच लिवरपूल की टीम क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर पहुंच गई। उसने एस्टन विला को पीछे छोड़ा, जिसे फुलहम से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस सत्र के आखिर में लिवरपूल छोड़ने वाले मोहम्मद सलाह ने लगता है कि इस क्लब की तरफ से अपना आखिरी मैच खेल लिया है क्योंकि पैलेस के खिलाफ दूसरे हाफ में चोट लगने के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया है जिसके जल्दी ठीक होने की संभावना नहीं है। प्रीमियर लीग के अंतिम दौर के मैच 24 मई को खेले जाएंगे।

मैच के दौरान तबीयत खराब होने के बाद स्वियातेक मैड्रिड ओपन से हटी

मैड्रिड। इगा स्वियातेक शनिवार को यहां अमेरिकी खिलाड़ी एन ली के खिलाफ एक अज्ञात बीमारी के कारण मैच के बीच से हटने से मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब ली 7-6 (4), 2-6, 3-0 से आगे चल रही थी। मैड्रिड में 2024 की चैंपियन स्वियातेक ने निर्णायक सेट में 2-0 से पिछड़ने के बाद मेडिकल टाइमआउट लिया। वह कोर्ट पर लौटीं, लेकिन ली ने अपनी सर्विस बरकरार रखी जिसके बाद उन्होंने आगे नहीं खेलने का फैसला किया। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने गुरुवार को अपने दूसरे दौर के पहले मैच में डारिया स्निगुर को सीधे सेटों में हराया था। इस तरह से विश्व में 34वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली ने शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की दूसरी जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला लेयला फर्नांडीज से होगा।

जब भारतीय टीम में नहीं था, तब घरेलू क्रिकेट में रन बनाने को प्राथमिकता दीः ईशान किशन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने खुलासा किया कि भारतीय टीम से लगभग दो साल तक बाहर रहने पर निराश होने के बजाय उन्होंने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता लाने के लिए अपने खेल में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया। किशन ने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की। इससे पहले उन्होंने घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी संभव हो पाई।

उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में झारखंड में इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने वाले किशन ने कहा कि जब मैं भारतीय टीम से बाहर था तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नही रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और

जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने कहा कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई और इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं।

यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी रोजी-रोटी है। किशन ने कहा कि जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। किशन ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में खेलने के बाद अगर आप अच्छी तरह से सामंजस्य बिठा लेते हैं तो फिर आप आखिर तक बल्लेबाजी करने और बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करते हैं। मैं चीजों को सरल बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता हूं।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह युवा खिलाड़ी एक अनुभवी पेशेवर की तरह बल्लेबाजी करता है और देश का अगला "सुपरस्टार" बन सकता है। कैफ ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाली प्रतिभा हैं। वह विलक्षण खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में ऐसा दबदबा बनाए हुए है जैसे गली क्रिकेट खेल रहे हों। वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है जिसने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेली हो। अगर वह फिट रहें, जीतने की ललक बनाए रखें और अपना ध्यान केंद्रित रखें तो भारतीय क्रिकेट को अगले 20 से 25 वर्षों के लिए अगला सुपरस्टार मिल गया है।

बार्सिलोना ला लीगा में लगातार दूसरे खिताब के करीब पहुंचा

बार्सिलोना। बार्सिलोना को गेटाफे पर मिली 2-0 की जीत से स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है, जबकि एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना करने से पहले आत्मविश्वास भरी जीत हासिल करने में सफल रहा। बार्सिलोना की तरफ से पहला गोल फ़र्मिन लोपेज़ ने 45वें मिनट में किया। उन्होंने अपना यह गोल चोटिल लामिन यामल को समर्पित किया। बार्सिलोना की तरफ से इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले यामल मांसपेशियों में खिंचाव होने के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। मार्कस रैशफोर्ड स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने 74वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। यह बार्सिलोना की गेटाफे में छह सत्र में पहली जीत है। इस जीत से बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त 11 अंक कर दी है जबकि अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। बार्सिलोना के 33 मैच में 85 जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 74 अंक हैं। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड ने एंटोनी ग्रिज़मैन के 49वें मिनट में किए गए गोल और अलेक्जेंडर सोरलॉथ के दो गोल की मदद से एथलेटिक बिलबाओ को 3-2 से हराया। एटलेटिको का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा था लेकिन आर्सेनल के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच से पहले इस जीत से उसका मनोबल बढ़ेगा।

शीर्ष-10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच देश की शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के कुल बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 1,829.33 अंक यानी 2.33 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई निफ्टी 455.6 अंक यानी 1.87 प्रतिशत नीचे आया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में गिरावट आई है, जिस पर भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर नतीजों का असर पड़ा। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष-10 कंपनियों में से सात का कुल

बाजार पूंजीकरण 2,05,343.06 करोड़ रुपये घट गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 66,699.44 करोड़ रुपये घटकर 8,67,364.12 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपये घटकर 17,96,647.50 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 23,090.05 करोड़ रुपये घटकर 12,08,225.48 करोड़ रुपये रह गया, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 19,670.75 करोड़ रुपये घटकर 5,13,020.56 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ रुपये हो गया।

भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 19,522.76 करोड़ रुपये बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से 12 माह में वेतन संशोधन प्रक्रिया पूरी करने को कहा

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से 13वें द्विपक्षीय वेतन समझौते के लिए बातचीत की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से शुरू करने और इसे अगले 12 महीनों में अंतिम रूप देने को कहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए वेतन संशोधन एक नवंबर 2027 से देय होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों सहित वित्तीय संस्थान अपने कर्मचारियों के वेतन का संशोधन हर पांच वर्ष में करते हैं। इस प्रक्रिया के तहत भारतीय बैंक संघ (आईबीए) कर्मचारी संगठनों और संघों के साथ बातचीत कर सहमति से वेतन समझौता करता है। वित्तीय सेवा विभाग ने एक पत्र के माध्यम से बैंकों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे आगामी वेतन संशोधन के लिए बातचीत शुरू

करने के आवश्यक कदम उठाएं। बीस अप्रैल के इस पत्र में कहा गया है कि बातचीत की प्रक्रिया अधिकतम 12 महीनों में पूरी कर ली जानी चाहिए।

पिछले समझौते से पहले वित्त मंत्रालय ने आईबीए से कहा था कि भविष्य में सभी वेतन वार्ताएं निर्धारित अवधि से पहले ही पूरी कर ली जाएं, ताकि संशोधित वेतन समय पर लागू किया जा सके। पत्र में यह भी कहा गया कि पूर्व में समझौतों के बाद नियमों में आवश्यक संशोधन करने में काफी देरी हुई है। इसलिए इस बार यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित नियमों में बदलाव अगले वेतन समझौते की निर्धारित तिथि से पहले ही पूरे कर लिए जाएं। सरकार ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और कर्मचारियों को उचित वेतन मिलने से उनका मनोबल ऊंचा बना रहता है।

कोल इंडिया ने कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती करने की योजना बनाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती करने के लि एक व्यापक 10 वर्षीय योजना बना रही है। इसके लिए घरेलू उत्पादन में वृद्धि, कोयले की गुणवत्ता में सुधार और लॉजिस्टिक लागत की समानता पर जोर दिया जाएगा।

एक सूत्र ने बताया कि कोयला आयात में कटौती के लक्ष्य वाले इस प्रस्तावित मसौदे में आयात का विस्तृत 'फोरेंसिक ऑडिट' शामिल होगा, जिसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। इसमें कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए 'नेशनल वॉशरी एंड

लॉजिस्टिक्स ग्रिड' भी शामिल होगा, जो आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाओं को दूर करेगा। कोल इंडिया लिमिटेड घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कंपनी इस मसौदे को तैयार करने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। सूत्र ने आगे कहा, ''कोयला क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने घरेलू उत्पादन में वृद्धि, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकने के लिए एक व्यापक दस वर्षीय मसौदा (2026-2036) तैयार करने और उसे लागू करने की योजना बनाई है।''

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना, विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करना और राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत हरित संक्रमण लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाना है।

एचपीसीएल ने कहा, रिफाइनरी में आग संभवत रिसाव के कारण लगी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कहा कि राजस्थान में उसकी संयुक्त उद्यम रिफाइनरी में आग लगने का संभावित कारण रिसाव था। कंपनी ने बताया कि मरम्मत का काम तीन से चार सप्ताह के भीतर पूरा होने की उम्मीद है और 'क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट' मई मध्य तक फिर से चालू हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित उद्घाटन से एक दिन पहले 20 अप्रैल को एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की 79,450 करोड़ रुपये की नवनिर्मित रिफाइनरी की मुख्य इकाई के पास भीषण आग लग गई थी। रिफाइनरी की मुख्य इकाई – क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट – में आग संभवतः हीट एक्सचेंजर सर्किट में एक वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन रिसाव के कारण लगी थी।

भारत में गेहूं की पैदावार चुनौतियों के बावजूद मजबूत: कृषि मंत्रालय

नई दिल्ली। फसल वर्ष 2025-26 में देश का गेहूं उत्पादन स्थानीय स्तर पर बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बावजूद स्थिर और मजबूत बना हुआ है। कृषि मंत्रालय ने रविवार को यह बात कही। हालांकि एक उद्योग संगठन ने सरकार के पहले के अनुमान से कम उत्पादन का आकलन किया था।

रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएफआई) ने 24 अप्रैल को अनुमान लगाया था कि 2025-26 (जुलाई-जून) फसल वर्ष में गेहूं उत्पादन 11.06 करोड़ टन रहेगा। यह 2024-25 के 10.96 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस अनुमान में हालिया मौसमी नुकसान को भी शामिल किया गया है। यह अनुमान सरकार के पहले के 12.02 करोड़ टन के अनुमान से काफी कम है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दोनों अनुमानों

के बीच संतुलन की बात कही। उन्होंने कहा, "जहां संगठन ने 11 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया है, वहीं कृषि मंत्रालय का पूर्व अनुमान 12 करोड़ टन था। वास्तविक उत्पादन इन दोनों के बीच कहीं होगा।"

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान गेहूं मौसम मिश्रित लेकिन मजबूत रहा है, जो जलवायु चुनौतियों और किसानों द्वारा अपनाए गए बेहतर उपायों का परिणाम है। इस मौसम में गेहूं की बुवाई लगभग 3.34 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है और कीट या रोग का कोई बड़ा प्रकोप नहीं देखा गया है। समय पर बुवाई होने से क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है। हालांकि फरवरी में असामान्य रूप से अधिक तापमान के कारण फसल पर गर्मी का दबाव पड़ा, जिससे दाने बनने की अवधि कम हुई और पैदावार पर असर पड़ा।

कटाई के समय हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने भी कुछ क्षेत्रों में गुणवत्ता और उत्पादन को नुकसान पहुंचाया। मंत्रालय ने कहा कि कुछ कारक इन नुकसान की भरपाई कर सकते हैं। इस साल छह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में बुवाई हुई है, जिससे नुकसान की आंशिक भरपाई होने की संभावना है। समय पर बुवाई से फसल को गर्मी के दबाव से बचाने में मदद मिली है।

उच्च गुणवत्ता वाले और जलवायु-प्रतिरोधी बीजों के उपयोग में वृद्धि हुई है, जिससे उत्पादन क्षमता बेहतर हुई है। फसल के दौरान खरपतवार का प्रभाव भी कम रहा है। हरियाणा में गेहूं की आवक सरकार के 75 लाख टन के खरीद लक्ष्य से अधिक हो चुकी है और 56.13 लाख टन की खरीद हो चुकी है, जो पिछले वर्ष से लगभग नौ लाख टन अधिक है। मध्य प्रदेश ने बेहतर उत्पादन को देखते हुए अपना खरीद लक्ष्य 78 लाख टन से बढ़ाकर 100 लाख टन कर दिया है।

गुलरुख के खास लुक का रहस्य बताया कृतिका ने

मुंबई। अपने किरदार गुलरुख के जरिए अभिनेत्री कृतिका कामरा ने 1960 और 1970 के दशक के मुंबई के फैशन और माहौल को बेहद खूबसूरती से दोबारा जीवंत कर दिया। इस किरदार की तैयारी में कृतिका ने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और बॉलीवुड सितारों को गहराई से देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, लोगों की स्टाइलिंग और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की भरपूर कोशिश की। हाल ही में कृतिका कामरा ने अपने इस खास लुक के पीछे की दिलचस्प कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि उनके किरदार गुलरुख के लुक को बनाने की शुरुआत एक बेहद खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर 70 के दशक की मशहूर अभिनेत्री परवीन बॉबी की थी।

छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद करना चाहिए: परिणीति चोपड़ा

मुंबई। इंस्टाग्राम के जरिए बालीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सेल्फ-लव, मानसिक शांति और जीवन की सादगी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री ने अपने एक विस्तृत नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सकारात्मकता और संतोष के साथ जीने की सलाह दी। परिणीति चोपड़ा ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष जोर दिया। परिणीति ने लिखा कि हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि यह अनावश्यक रूप से हमारी ऊर्जा को खत्म करता है। उन्होंने शरीर को हमारी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे इसकी आलोचना करने के बजाय इसके प्रति दयालु हों और इसे सम्मान दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने शरीर को बेहतर पोषण देना चाहिए और इसे सक्रिय रखना चाहिए, क्योंकि भविष्य में हमें इन पलों की कमी महसूस होगी जब हमारा शरीर उतना ऊर्जावान नहीं रहेगा। परिणीति चोपड़ा ने सभी को भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेने की सलाह देते हुए कहा कि वास्तविक खुशी भौतिक चीजों के पीछे भागने में नहीं, बल्कि सुकून के साथ वर्तमान को जीने में है। उन्होंने सलाह दी कि हमें बाहर निकलना चाहिए, खुले आसमान को देखना चाहिए और सूरज की रोशनी को महसूस करना चाहिए, क्योंकि प्रकृति से जुड़ने में एक अलग तरह की शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपनों के साथ बिताए गए समय को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ते जीवन का आधार होते हैं। आज के दौर में स्मार्टफोन की लत पर कटाक्ष करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि हमें अपना फोन नीचे रखना चाहिए और सचमुच वहां मौजूद रहना चाहिए जहां हम हैं, ताकि हम अपने प्रियजनों से खुलकर अपने प्यार का इजहार कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी की मदद करना या किसी को प्यार भरा नोट लिखना वह खुशी देता है जिसे पैसों से नहीं खरीदा जा सकता; यह आत्मिक संतोष का अनुभव होता है। अपने पोस्ट के अंत में परिणीति ने एक बहुत ही व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें उन चीजों या कामों को ना कहना सीखना चाहिए जो हमें मानसिक रूप से थका देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में हर उलझन को तुरंत सुलझाना जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी यह है कि आप अपनी खुशी के लिए बदलाव करने का साहस रखें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। परिणीति चोपड़ा पिछली बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म अमर सिंह चमकीला में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने गायक दिलजीत दोसांझ के साथ अभिनय किया था।

परब्रमता चटर्जी को निमृत कौर ने बताया सबसे अच्छा इंसान

मुंबई। हाल ही में अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच गहरी दोस्ती और आपसी सम्मान का बंधन देखने को मिला है। ये दोनों प्रतिभाशाली कलाकार इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग में व्यस्त हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निमृत ने एक भावुक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार परब्रमता की जमकर तारीफ की और उन्हें इस दुनिया के सबसे अच्छे इंसान में से एक बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत सेल्फी शेयर की, जो उत्तराखंड के नैनिताल में चल रही शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी एक साथ खड़े नजर आ रहे हैं, दोनों के चेहरों पर प्यारी मुस्कान है और कैमरे की तरफ देखते हुए उनकी दोस्ती और सहजता साफ झलक रही है। इस दिल को छू लेने वाली फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में परब्रमता के लिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात है। यह कैप्शन उनके आपसी तालमेल और सह-कलाकार के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। फिलहाल, इस नई वेब सीरीज का नाम अभी तक सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है, जिससे दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।